सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" परिस्थितियां जितनी, ज़्यादा आपको तोड़ती है उससे कहीं ज़्यादा आपको मज़बूत बना देती है...!! "
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–121 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 21 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

रोम में पीएम मोदी और मेलोनी की मुलाकात का वीडियो हुआ वायरल, मिम्स की भरमार

गर्मजोशी से स्वागत के पल ने जीता दिल, सोशल मीडिया पर छाई खास केमिस्ट्री

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली–रोम

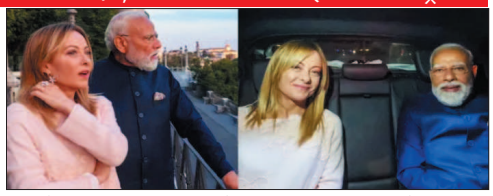

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच देशों के दौरे के अंतिम पड़ाव पर इटली पहुंचे। रोम में इटली की प्रधानमंत्री जॉजिर्या मेलोनी ने उनका गमजीशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं की मुलाकात का एक वीडियो सामने आया है जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

औपचारिकता में घुली मुस्कान

वीडियो में दोनों शीर्ष नेताओं के बीच अपनापन और हल्की मुस्कान वाले पल कैद हुए हैं। औपचारिक मुलाकात के बीच दिखे ये सहज पल लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। यूजर्स इसे यादगार लम्हा बता रहे हैं। पीएम मोदी और मेलोनी की मुलाकातों की तस्वीरें पहले भी इंटरनेट पर चर्चा में रहती हैं, लेकिन इस बार का वीडियो खास तौर पर ट्रेंड कर रहा है।

मिम्स की बाढ़

इस मुलाकात पर देशभर में मिम्स भी बन रहे हैं। ट्विटर से लेकर इंस्टाग्राम तक यूजर्स क्रिएटिव पोस्ट शेयर कर रहे हैं। कई लोगों ने दोनों नेताओं की बॉन्डिंग को सराहा। वायरल वीडियो पर कमेंट की बाढ़ आ गई है। पीएम मोदी का यह दौरा भारत–इटली संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

पेट्रोलियम मंत्रालय का निर्देश : BAA नहीं कराने पर स्थायी रूप से खत्म होगा लाभ, गैस आपूर्ति जारी रहेगी

30 जून तक गैस उपभोक्ता कराएं बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, वरना बंद हो जाएगी सब्सिडी

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने देश के सभी घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण को अनिवार्य कर दिया है। जिन उपभोक्ताओं ने अब तक एक बार भी इअअ नहीं कराया है, उन्हें 30 जून 2026 तक यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। ऐसा न करने पर सब्सिडी हमेशा के लिए बंद हो जाएगी।

सब्सिडी पर पड़ेगा सीधा असर

मंत्रालय के 18 मई 2026 के निर्देश के अनुसार जिन उपभोक्ताओं ने इअअ नहीं कराया है, उनकी सब्सिडी फिलहाल लंबित रखी जाएगी। यदि 30 जून 2026 तक प्रमाणीकरण हो जाता है तो रुकी हुई सब्सिडी जारी कर दी जाएगी। अंतिम तिथि के बाद प्रमाणीकरण कराने पर केवल भविष्य के रिफिल पर ही सब्सिडी मिलेगी। इस दौरान लिए गए रिफिल की सब्सिडी लैप्स हो जाएगी और भुगतान नहीं होगा।

गैस आपूर्ति पर नहीं पड़ेगा असर

मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण न होने पर गैस रिफिल की आपूर्ति नहीं रोकी जाएगी। उपभोक्ता सामान्य रूप से गैस बुकिंग और डिलीवरी ले सकेंगे।

जागरूकता के लिए विशेष अभियान

तेल कंपनियों को 30 जून तक उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सएप और रजिस्टर्ड डाक से सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं। फील्ड स्तर पर विशेष शिविर भी लगाए जाएंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ता समय पर ई–केवाईसी करा सकें।

वितरक संघ की अपील

अखिल भारतीय गैस वितरक संघ के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश नई दिल्ली ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि वे जल्द अपने गैस वितरक के पास जाकर बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण कराएं। अधिक जानकारी के लिए नजदीकी गैस एजेंसी से संपर्क करें। यह जानकारी नरेन्द्र कुमार जैन, होम प्राइड राजनांदगांव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

जमीन बिक्री में एक करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप, किसान ने एसपी से की शिकायत

सौदा 1.20 करोड़ में हुआ था : 21 लाख ही मिले, बैनामे में कीमत 20 लाख दिखाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भानपुरी निवासी 64 वर्षीय किसान शिवकुमार ने जमीन बिक्री में एक करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक दुर्ग को शिकायत सौंपी है। किसान का आरोप है कि क्रेता और दलालों ने फर्जी तरीके से बैनामा कराकर पूरी रकम नहीं दी।

क्या है मामला

शिकायत के अनुसार शिवकुमार की भानपुरी में खसरा क्रमांक 766, रकबा 0.5500 हेक्टेयर कृषि भूमि थी। इसका सौदा दिलेश्वर साहू निवासी उमरपोटी से 1.20 करोड़ रुपये में तय हुआ था। दलाल के रूप में मोनू, सुखदेव मरकाम निवासी उतई और सुरेश निवासी अंजोरा शामिल थे।

शिवकुमार ने बताया कि बयाने के तौर पर 1 लाख रुपये नकद और बाद में ऑनलाइन 20 लाख रुपये मिले। कुल 21 लाख रुपये प्राप्त हुए। तय हुआ था कि बैनामे के दिन 50–50 लाख की दो किस्तों में शेष 1 करोड़ रुपये खाते में आएंगे।

बैनामे में कीमत कम दिखाई

आरोप है कि 19 मार्च 2026 को बैनामा कराते समय जमीन की कीमत केवल 20 लाख रुपये दर्ज कराई गई जबकि सौदा 1.20 करोड़ में हुआ था। शिवकुमार का कहना है कि वह कम पढ़े–लिखे हैं। क्रेता और दलालों ने शाम तक बाकी रकम खाते में आने का भरोसा दिलाया जिसके झांसे में आकर उन्होंने हस्ताक्षर कर दिए। आज तक शेष 1 करोड़ रुपये नहीं मिले।

पुलिस से कार्रवाई की मांग

शिवकुमार ने एसपी दुर्ग से धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कर उचित कार्रवाई और शेष रकम 1 करोड़ रुपये वापस दिलाने की मांग की है। शिकायत में क्रेता और दलालों के मोबाइल नंबर भी दिए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजनांदगांव जिले में अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर, 150 एकड़ जमीन से हटाया कब्जा

बघेरा और झुराडबरी में बाउंड्रीवॉल, गेट, रिसॉर्ट और मैरिज हॉल ध्वस्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिला प्रशासन ने अवैध प्लाटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम बघेरा और झुराडबरी में करीब 150 एकड़ भूमि पर बने अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर एसडीएम गौतम पाटिल और तहसीलदार प्यारेलाल नाग के नेतृत्व में राजस्व अमले ने जेसीबी चलाकर अतिक्रमण हटाया।

नोटिस के बाद भी नहीं मिला जवाब

प्रशासन ने भूमिस्वामियों को पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया था। तय समय में संतोषजनक जवाब न मिलने पर टीम ने मौके पर पहुंचकर बाउंड्रीवॉल, मुख्य गेट, रिसॉर्ट, मैरिज हॉल, तार–जाली फेंसिंग और अवैध सड़कों को तोड़ दिया। अवैध सड़कों को खोदकर जमीन को मूल स्वरूप में लाया गया।

इनके खिलाफ हुई कार्रवाई

ग्राम बघेरा में पंकज जैन के खसरा नंबर 129/1, 137/1, 137/2, 130/1, 131/1, 147/1 और 157/1 पर बनी संरचनाएं पूरी तरह ध्वस्त की गईं। इसके अलावा रूक्मणी, नेहा महाजन, प्रमोद चौधरी, शालिनी साहू और हिमांशु कुमार की जमीन पर की गई अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई हुई। झुराडबरी में सीमा मौर्य, नेहा महाजन, राघवेन्द्र सिंह और चंद्रशेखर की जमीन से कब्जा हटाया गया।

अधिकारियों पर भी गिरी गाज

प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित हल्का पटवारी और राजस्व निरीक्षक को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। चेतावनी दी गई है कि बिना अनुमति अवैध प्लाटिंग या शासकीय भूमि पर निर्माण करने वालों पर बुलडोजर चलेगा और एफआईआर दर्ज होगी। अवैध निर्माण को बढ़ावा देने वाले अधिकारियों–कर्मचारियों को भी बख्शा नहीं जाएगा। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार सुरेखा वर्मा, राजस्व अमला और ग्राम कोटवार मौजूद रहे। प्रशासन ने कहा कि बिना अनुमति अवैध कॉलोनी निर्माण पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

गौरीनगर हत्या का खुलासा, एक आरोपी व 4 नाबालिग गिरफ्तार

चौकी चिखली और साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में गौरीनगर में हुई हत्या की गुत्थी पुलिस ने महज 3 घंटे में सुलझा ली। पुलिस ने एक बालिग आरोपी और 4 नाबालिगों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। 19 मई 2026 को प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 18 मई की शाम 6 बजे से 19 मई की सुबह 6 बजे के बीच अज्ञात लोगों ने उसके पुत्र अब्दुल रकीब निवासी गौरीनगर की पत्थर, डंडा और धारदार हथियार से हत्या कर दी। चौकी चिखली में धारा 103(1) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया। एसपी अंकिता शर्मा के निर्देश पर चौकी चिखली और साइबर सेल की टीम ने गौरीनगर, महादेव नगर और अचानकनगर में दबिश दी। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी ईशू यादव उर्फ पंछी उर्फ पप्पू और उसके 4 नाबालिग साथियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि मृतक से पुरानी रंजिश और परेशान किए जाने के चलते 18 मई की रात गौरीनगर पावर हाउस के पास टॉवर के नीचे योजनाबद्ध तरीके से डंडा, पत्थर और चाकू से हमला कर हत्या की। आरोपी ईशू यादव 18 वर्ष 09 माह का है और अचानकनगर, आंगनबाड़ी के सामने गौरीनगर वार्ड नं. 13 का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार आरोपियों का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। वहीं मृतक अब्दुल रक़ीब के खिलाफ धारा 327, 294, 323, 506, 34 भादवि के तहत पूर्व में मामला दर्ज था। कार्रवाई में सीएसपी वैशाली जैन के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चन्द्र मरई, उनि राकेश पटेल, साइबर सेल से निरीक्षक विनय पम्मार, उप निरीक्षक नरेश बंजारे सहित चौकी चिखली और साइबर सेल की टीम की अहम भूमिका रही।

खरीफ सीजन से पहले किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने विधायक देवेंद्र यादव ने मंत्रियों को लिखा पत्र

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने प्रदेश में खरीफ सीजन शुरू होने से पहले किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की मांग को लेकर कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम और खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता वितरण मंत्री दयाल दास बघेल को पत्र लिखा है।

विधायक देवेंद्र यादव ने पत्र में उल्लेख किया है कि दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिल रही है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में खरीफ सीजन शुरू होने से पहले ही किसानों के लिए खाद संकट की स्थिति बन रही है। विशेष रूप से डीएपी खाद की कमी को लेकर किसानों में चिंता बढ़ रही है। वहीं यूरिया का भंडारण भी आवश्यकता की तुलना में काफी कम बताया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और प्रदेश की आधे से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर है। ऐसे में खरीफ सीजन से पहले खाद संकट की स्थिति किसानों के लिए गंभीर परेशानी खड़ी कर सकती है। विधायक ने सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में खाद की उपलब्धता को अभी संतोषजनक नहीं बताया।

पत्र में दुर्ग जिले की वतर्मान स्थिति का भी उल्लेख किया गया है। इसके अनुसार जिले में खाद वितरण का लक्ष्य 67,880 मीट्रिक टन है। अब तक 29,035 मीट्रिक टन खाद का भंडारण हुआ है, जिसमें से 10,171 मीट्रिक टन किसानों को वितरित किया जा चुका है। वतर्मान में 18,864 मीट्रिक टन खाद शेष है, जबकि जिले में 38,845 मीट्रिक टन खाद की आवश्यकता बताई गई है। विधायक देवेंद्र यादव ने मंत्रियों से आग्रह किया है कि दुर्ग जिले सहित प्रदेश के किसानों को खरीफ सीजन से पहले पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं, ताकि किसानों को समय पर खाद मिल सके।

वैशाली नगर विधानसभा को मिली बड़ी सौगात : विधायक रिकेश सेन के प्रयास से 659.69 लाख रुपए के विकास कार्यों को मंजूरी

सीवरेज लाइन, नाली कव्हर, सड़क और जल प्रबंधन कार्यों से हजारों लोगों को मिलेगी राहत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विधायक रिकेश सेन के सतत प्रयासों से वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में सीवरेज लाइन नवीनीकरण, नालियों पर प्रीकास्ट कव्हर, चेंबर निर्माण और जल प्रबंधन से जुड़े कार्यों के लिए कुल 659.69 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है। इन कार्यों के पूरा होने से लंबे समय से जलभराव, गंदगी, बदहाल सीवरेज व्यवस्था और खुले नालों की समस्या से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही शहर की स्वच्छता और यातायात व्यवस्था में भी सुधार होगा।

वैशाली नगर क्षेत्र में इन कार्यों को मिली स्वीकृति

स्वीकृत कार्यों में वैशाली नगर विधानसभा अंतर्गत कई प्रमुख वार्ड और कॉलोनियां शामिल हैं। आपको बता दें कि बहुत जल्द वैशाली नगर अंतर्गत एमआईजी लाइन में सीवरेज लाइन सुधार कार्य होंगे। जवाहर नगर क्षेत्र में एचडीपीई लाइन से शेल मॉन्टेसरी स्कूल तक सीवरेज लाइन निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। बहुत

जल्द नेहरू नगर, गांधी नगर, कृष्णा नगर, लक्ष्मी नगर, फरीद नगर, गदा चौक सुपेला समेत कई वार्डों में नालियों पर प्रीकास्ट कव्हर लगाने का कार्य शुरू हो जाएगा। इसके आलावा वैशाली नगर, अंबेडकर नगर, कोहका, प्रियदर्शिनी नगर और अन्य क्षेत्रों में नालियों को कव्हर करने की योजना स्वीकृत हो गई है। प्रियदर्शिनी नगर, मस्तूरीपारा, कैम्प क्षेत्र और अन्य इलाकों में नालियों के प्रीकास्ट स्लैब निर्माण होगा। वार्ड 17 और 15 में चेंबर युक्त लाइन निर्माण एवं नालियों के ऊपर चेंबर कव्हर लगाने का कार्य भी शामिल है। निगम क्षेत्र के विभिन्न जोनों में जीवीपी का सौंदर्यीकरण कार्य भी स्वीकृत हुआ है।

आम जनता को क्या होगा फायदा?

इन विकास कार्यों के पूरा होने के बाद बारिश के दौरान जलभराव की समस्या कम होगी, सीवरेज जाम और गंदगी से राहत मिलेगी, खुले नालों से होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी, कॉलोनियों में स्वच्छता और स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर होगी, आवागमन सुगम और सुरक्षित बनेगा और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी।

विधायक रिकेश सेन ने जताया आभार

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा के विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन विभाग का आभार जताते हुए कहा कि इन कार्यों से क्षेत्रवासियों को सीधा लाभ मिलेगा और अधोसंरचना मजबूत होगी।

बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग, नगर निगम घेराव के बाद भी नहीं जागा प्रशासन : अरुण वोरा

बिजली कटौती को लेकर सुबह-सुबह पहुंचे बघेरा अरुण वोरा, बिजली समस्याओं और बढ़े हुए बिलों को लेकर जनआक्रोश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग शहर के कातुलबोड़ एवं हरिनगर वार्ड में भीषण गर्मी के बीच जल संकट और लगातार बिजली कटौती ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। नलों में पानी नहीं, घंटों बिजली गुल, खराब पड़े हैंडपंप और जिम्मेदार विभागों की निष्क्रियता ने लोगों का जीवन संकट में डाल दिया है। क्षेत्रवासियों के बुलावे पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा मौके पर पहुंचे और जनता की समस्याएं सुनीं।

इस गंभीर स्थिति को लेकर अरुण वोरा ने कलेक्टर एवं कमिश्नर से चर्चा कर तत्काल स्थायी समाधान की मांग की। इस दौरान उन्होंने सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा - क्षेत्र में लगभग 5 हैंडपंप महीनों से खराब पड़े हैं, लेकिन अब तक कोई सुधार नहीं किया गया। हालात इतने खराब हैं कि लोग न ठीक से नहा पा रहे हैं, न खाना बना पा रहे हैं और न ही भीषण गर्मी

में चैन से सो पा रहे हैं। महिलाओं और बुजुर्गों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि जनता के साथ अन्याय है।

"सबसे विडंबनापूर्ण और गंभीर स्थिति यह है कि करोड़ों रुपये खर्च कर जिस भागीरथी अमृत

मिशन को लोगों के घरों तक नियमित पानी पहुंचाने के लिए शुरू किया गया था, वही योजना आज अव्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। जैसे ही पानी सप्लाई का समय शुरू होता है, उसी वक्त बिजली काट दी जाती है। बिजली बंद होते ही मोटर और पंप ठप पड़ जाते हैं और पूरे मोहल्ले की पानी सप्लाई रुक जाती है। जब तक बिजली वापस आती है, तब तक पानी सप्लाई का निर्धारित समय समाप्त हो चुका होता है और लोग खाली बर्तन लेकर रह जाते हैं।"

अरुण वोरा ने आगे कहा - कई परिवार रातभर जागकर इस उम्मीद में बैठे रहते हैं कि शायद बिजली आए और पानी मिल सके। करोड़ों की योजनाओं और बड़े-बड़े सरकारी दावों के बावजूद जमीनी हकीकत यह है कि जनता बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करने को मजबूर है, जबकि जिम्मेदार विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर अपनी जवाबदेही से बचते नजर आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि लगातार बनी इस समस्या से परेशान होकर कई परिवार दुर्ग छोड़कर छिंदवाड़ा और ओडिशा की ओर जाने को मजबूर हो रहे हैं। जनता का आरोप है कि हाल ही की भाजपा सरकार के विकास के दावे सिर्फ भाषणों और विज्ञापनों तक सीमित हैं।

अरुण वोरा ने कहा - कांग्रेस पार्टी ने हाल ही में जनता की मूलभूत समस्याओं को लेकर नगर निगम का विशाल घेराव किया था। हजारों लोगों ने सड़कों पर उतरकर पानी, बिजली और बदहाल व्यवस्थाओं के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की थी। हमने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि अगर समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो हालात गंभीर हो जाएंगे। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इतना बड़ा जनआक्रोश देखने के बाद भी प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है।

उन्होंने बताया कि आज पुनः कलेक्टर और कमिश्नर से चर्चा कर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया गया है। अधिकारियों द्वारा जल्द समाधान का आश्वासन दिया गया है। अब देखना यह है कि यह आश्वासन सिर्फ कागजों तक सीमित रहता है या फिर वास्तव में जनता को पानी और बिजली जैसी मूलभूत समस्याओं से राहत मिल पाती है।

खास खबर

मंत्री यादव की पहल पर लकवाग्रस्त बुजुर्ग को मिली व्हील चेयर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

आबादीपारा पोटियाकला निवासी 72 वर्षीय चिंताराम साहू, जो पिछले छह वर्षों से लकवा बीमारी से पीड़ित हैं, उन्हें समाज कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा व्हील चेयर प्रदान की गई। यह सहायता छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव की त्वरित पहल पर उपलब्ध कराई गई।

व्हील चेयर मिलने से चिंताराम साहू एवं उनके परिवारजनों में खुशी का माहौल है। परिवार ने बताया कि लंबे समय से चलने-फिरने में काफी परेशानी हो रही थी, जिससे दैनिक कार्यों में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब व्हील चेयर मिलने से उन्हें काफी सहूलियत मिलेगी। परिवारजनों ने मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी संवेदनशील पहल से एक जरूरतमंद बुजुर्ग को बड़ी राहत मिली है। समाज कल्याण विभाग की इस त्वरित कार्रवाई की भी क्षेत्रवासियों ने सराहना की है।

उर्सपार्क में नो एंट्री तोड़ने वाला नशे में धुत ट्रक चालक गिरफ्तार, 22 हजार जुर्माना

यातायात पुलिस ने पीछा कर पकड़ा, इस साल 1325 ड्राइवरों पर कार्रवाई

दुर्ग। उर्सपार्क कार्यक्रम के दौरान भीड़भाड़ में नो एंट्री तोड़कर खतरनाक तरीके से ट्रक चलाने वाले चालक पर यातायात पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। नशे में मिले चालक पर सीजेएम न्यायालय ने 22 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

पुलिस को रोकने पर भी नहीं रुका

17 मई की सुबह पटेल चौक और दुर्ग शहर में उसपार्क के कारण भारी भीड़ थी। इसी दौरान ट्रक क्रमांक CG 08 W 9777 का चालक दिनेश कुमार निवासी खुज्जी, राजनांदगांव नो एंट्री क्षेत्र मालवीय नगर, राजेंद्र पार्क चौक, बस स्टैंड होते हुए उतई तिराहा तक ट्रक ले गया। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के रोकने पर भी चालक नहीं रुका। यातायात पुलिस टीम ने पीछा कर ट्रक को सुरक्षित रुकवाया।

ब्रेथ एनालाइजर में मिली शराब

जांच में चालक के शराब पीकर वाहन चलाने की पुष्टि हुई। मोटरयान अधिनियम की धारा 185 और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर 18 मई को न्यायालय में पेश किया गया। सीजेएम न्यायालय दुर्ग ने चालक पर 22 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

इस साल 1325 पर कार्रवाई

यातायात पुलिस दुर्ग ने 2026 में अब तक नशे में वाहन चलाने वाले 1325 चालकों पर कार्रवाई की है। दो दिन पहले भी एक अन्य ट्रक चालक पर न्यायालय ने 32 हजार का जुर्माना लगाया था।

टीम की भूमिका सराहनीय

कार्रवाई में निरीक्षक पीडी चंद्रा, प्रधान आरक्षक देवानंद शर्मा, आरक्षक दिव्यदेव राजपूत और येमन चंद्राकर की भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने लोगों से शराब पीकर वाहन न चलाने और नो एंट्री सहित सभी यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है ताकि सड़क हादसे रोके जा सकें।

दुर्ग पुलिस में डायल-112 फेज-2 नेक्स्ट जेन सेवा का हुआ शुभारंभ

35 अत्याधुनिक ईआरवी और 4 हाईवे पेट्रोलिंग वाहन शामिल है

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए दुर्ग जिले के पुलिस विभाग में डायल-112 फेज-2 नेक्स्ट जेन सेवा का शुभारंभ किया गया। पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-06 भिलाई में आयोजित कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री गजेंद्र यादव ने नवीन डायल-112 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर दुर्ग पुलिस को फेज-2 नेक्स्ट जेन परियोजना अंतर्गत 35 अत्याधुनिक इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल (ERV) एवं 4 हाईवे पेट्रोलिंग वाहन प्राप्त हुए हैं। इन वाहनों के शामिल होने से जिले में आपातकालीन सेवाओं की प्रतिक्रिया क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा आम नागरिकों को अधिक त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। कार्यक्रम में आधुनिक तकनीक से सुसज्जित नवीन डायल-112 वाहनों का प्रदर्शन भी किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों को त्वरित रिस्पांस प्रणाली, हाईवे पेट्रोलिंग व्यवस्था तथा आपातकालीन सहायता सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

नागरिक सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : गजेंद्र यादव

मंत्री गजेंद्र यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य शासन नागरिकों की सुरक्षा एवं आपातकालीन सहायता व्यवस्था को अधिक मजबूत, प्रभावी और तकनीक आधारित बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि डायल-112 फेज-2 परियोजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नवीन ERV एवं हाईवे पेट्रोलिंग वाहनों के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं, अपराध एवं अन्य आपात स्थितियों में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी। इससे ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में नागरिकों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

पुलिस सहायता व्यवस्था होगी और मजबूत : ललित चंद्राकर

विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर ने कहा कि डायल-112 सेवा आम नागरिकों के लिए भरोसेमंद सहायता प्रणाली बन चुकी है। नई तकनीक से लैस वाहनों के शामिल होने से पुलिस सहायता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा लोगों को समय पर मदद मिल सकेगी।

आधुनिक पुलिसिंग की दिशा में बड़ा कदम

पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज ने कहा कि डायल-112 फेज-2 परियोजना पुलिसिंग व्यवस्था को आधुनिक, तकनीकी रूप से सक्षम एवं त्वरित प्रतिक्रिया आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। नई नियंत्रण एवं संचार प्रणाली से घटनास्थल तक कम समय में पहुंचना संभव होगा।

वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि दुर्ग जिले को प्राप्त 35 एफ्र एवं 4 हाईवे पेट्रोलिंग वाहनों को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों एवं प्रमुख मार्गों में संचालित किया जाएगा। इन वाहनों में GPS, PTZ कैमरा, डैश कैमरा, मोबाइल डेटा टर्मिनल सहित कई अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे आपातकालीन सेवाओं की गुणवत्ता और प्रतिक्रिया समय में सुधार होगा।

कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, महापौर नीरज पाल, दुर्ग संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मणिशंकर चन्द्रा रहे, जबकि कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डायल-112 के अधिकारी-कमर्चारी, पुलिस विभाग के राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी एवं पुलिस स्टाफ भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आपातकालीन प्रतिक्रिया समय में होगा सुधार

दुर्ग पुलिस के अनुसार डायल-112 फेज-2 परियोजना के अंतर्गत प्राप्त नवीन एफ्र एवं हाईवे पेट्रोलिंग वाहनों से जिले में आपातकालीन प्रतिक्रिया समय में उल्लेखनीय सुधार होगा। साथ ही पुलिस, चिकित्सा, अग्निशमन एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं का समन्वित और प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में डायल-112 सेवा का उपयोग कर त्वरित सहायता प्राप्त करें तथा सड़क सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

महादेव कावरे का जीवन संघर्ष जान कर भावुक हुए लोग, कर्मवीर की दी उपाधि

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के 12 प्रमुख सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों ने मिलकर रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग के पूर्व कमिश्नर, बेमेतरा तथा जशपुर जिले के पूर्व कलेक्टर और वर्तमान आयुक्त सहकारिता विभाग छत्तीसगढ़ शासन महादेव कावरे का सम्मान कर उन्हें "कर्मवीर" की मानद उपाधि प्रदान की।

कला मंदिर सिविक सेंटर में लगभग 500 से अधिक भिलाई, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, धमतरी, बालोद, बस्तर और बीजापुर से आए आम नागरिकों की उपस्थिति में महादेव कावरे के जीवन और संघर्षों पर लोगों ने प्रकाश डाला। बीजापुर बस्तर के दूरस्थ और सुविधाओं से वंचित गांव "बोर्जे" से निकल कर, आयुक्त पद तक पहुंचने की मिसाल पेश करने वाले महादेव कावरे के जीवन संघर्ष को जानकर ज्यादातर लोग भावुक हो गए। आईएएस कावरे के साठवें जन्मदिन पर हुए इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वरत्न बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

इस अवसर पर बीजापुर से आए 30 लोगों के परिवार ने भी अपने आशीर्वाद से माहौल को भावुक कर दिया। सुगत बुद्ध विहार भिलाई तीन की महिलाओं के दल ने बुद्ध के धम्म चक्र में अंकित 24 तीलियों के बारे में मनोहारी प्रस्तुति दी। दुर्ग के वरिष्ठ नाट्य निर्देशक-रंगकर्मी राकेश बमबार्डे और लोक कवि लक्ष्मी नारायण कुंभकार तथा उनकी टीम ने महादेव कावरे के संघर्षों पर विशेष रूप से निर्मित सम्मान गीत गाया। मूलनिवासी कला साहित्य और फिल्म फेस्टिवल भिलाई के अध्यक्ष और भिलाई स्टील प्लांट के पूर्व सीजीएम एल उमाकांत ने महादेव कावरे द्वारा बेमेतरा कलेक्टर के रूप में आम लोगों के लिए किए गए कार्यों के बारे में बताया। दुर्ग संभाग के पूर्व कमिश्नर दिलीप वासनीकर ने अपने कायर्काल के दौरान महादेव कावरे की प्रशासकीय क्षमता को विशेष रूप से उल्लेखित किया।

बीजापुर से आए सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश रामटेके ने कमर्वीर महादेव कावरे के प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पर प्रकाश डाला। सम्मान समारोह में मूलनिवासी कला साहित्य और फिल्म फेस्टिवल के साथी और बीएसपी के जी एम प्रभाकर खोबरागड़े , सोशल जस्टिस एंड लीगल फाउंडेशन के को-फाउंडर अनिल कुमार बनज, रायपुर डॉ अंबेडकर एग्जीक्यूटिव फ्रेटरनिटी भिलाई के अध्यक्ष और बीएसपी के जी एम कमल टंडन, डॉ अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी छत्तीसगढ़ के उपाध्यक्ष सुनील रामटेके , भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई 1119 के अध्यक्ष विनोद वासनिक, सावित्री बाई फुले एजुकेशनल एकेडमी रायपुर की डॉ स्नेहलता हुमने, धम्मभूमि सांस्कृतिक समिति हाउसिंग बोर्ड भिलाई के अध्यक्ष संदीप चौरे, समता सैनिक दल छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय कायर्कारिणी सदस्य दिलीप रा गा से, बौद्ध कल्याण समिति कोसानगर के अध्यक्ष नेक राम रामटेके भिलाई , रिबॉर्न डीएमए इंडिया के संपादक डॉ संजीव खुदशाह रायपुर, डॉ बी आर अंबेडकर शिक्षा समिति स्टेशन मरोदा भिलाई के विजय ऊके, आई आई टी दिल्ली में एम टेक के दौरान सहपाठी और आई पी एस आर के देवांगन, अपर संचालक जनसंपर्क आलोक देव, द बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया भिलाई की वर्षा बागडे और विज्ञान आश्रम कसेकेरा के संचालक एवं पूर्व अपर कलेक्टर विश्वास मेश्राम ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर कमर्वीर महादेव कावरे के जीवन पर पंकज मेश्राम द्वारा निर्देशित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। अंत में ए ई एफ के एस पी निगम ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद और रायपुर से आई सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता अंजू मेश्राम ने किया।

बीएसपी में गैस रिसाव पर मॉक ड्रिल, आपात तैयारी को परखी गई

बेंजोल रिकवरी प्लांट में सभी एजेंसियों ने दिखाई तत्परता, फर्स्ट एडर्स की सराहना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के बेंजोल रिकवरी प्लांट-01 में विषाक्त गैस रिसाव पर आधारित मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकाल में एजेंसियों की तत्परता, समन्वय और प्रतिक्रिया समय परखना था।

कई विभागों ने लिया हिस्सा

मॉक ड्रिल में अग्निशमन विभाग, मुख्य चिकित्सा पोस्ट, ऊर्जा प्रबंधन विभाग, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग, पर्यावरण विभाग, एनओएचएससी, सिविल डिफेंस, सीआईएसएफ और कार्मिक विभाग ने सक्रिय भागीदारी की। सभी एजेंसियों ने अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन किया।

मार्गदर्शन में हुआ आयोजन

यह अभ्यास मुख्य महाप्रबंधक कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग तुलाराम बेहरा के मार्गदर्शन में विभागीय सुरक्षा अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ। अधिकारियों ने कार्यबल को विषाक्त गैस रिसाव जैसी आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं और आपदा प्रतिक्रिया उपायों के प्रति जागरूक किया।

फर्स्ट एडर्स का काम सराहा गया

ड्रिल के बाद मुख्य महाप्रबंधक के कॉन्फ्रेंस हॉल में समीक्षा बैठक हुई। इसमें विभाग के फर्स्ट एडर्स द्वारा पोर्टेबल ब्रीदिंग अपरेटस के जरिए प्रभावित व्यक्ति तक त्वरित पहुंच बनाने और प्राथमिक सहायता देने की विशेष सराहना की गई। इस अभ्यास से आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, अंतर विभागीय समन्वय और आकस्मिक घटना से निपटने की तैयारियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया।

ग्राहक का इंतजार, पल्सर वाहन से 11 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आईटीआई ग्राउंड के पास एक युवक को पुलिस ने गांजा बेचते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक अपने पास रखे 11 किलो गांजा को बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा था। इस दौरान खुर्सीपार पुलिस को सूचना मिली। पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को 11 किलो से ज्यादा गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से गांजा, नगदी रकम और बाइक जब्त की है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 6 लाख 15 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा कहां से लाया गया था और इसे किन लोगों तक सप्लाई किया जाना था।

19 मई को पुलिस को जानकारी मिली थी कि एक युवक सफेद रंग की बजाज पल्सर एनएस 200 बाइक में

गांजा लेकर आईटीआई मैदान के पास खड़ा है और बिक्री करने की फिराक में है। पुलिस ने इसके बाद टीम बनाकर आईटीआई मैदान के पास घेराबंदी की गई। वहां पर युवक पुलिस को मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम सन्नी यादव उर्फ सन्नी देवार निवासी देवार मोहल्ला खुर्सीपार बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास रखे पीले-सफेद रंग के थैले की जांच की गई। थैले के अंदर छोटे-बड़े पैकेट में गांजा रखा मिला। जांच में कुल वजन 11 किलो 160 ग्राम गांजा निकला।

पुलिस ने गांजा के अलावा आरोपी के पास से 1480 रुपए नगद और एक सफेद रंग की बजाज पल्सर एनएस 200 बाइक भी जब्त की। बाइक के आगे नंबर प्लेट नहीं लगी थी। जब्त गांजा की कीमत करीब 5 लाख 39 हजार रुपए आंकी गई है, जबकि बाइक की कीमत 75 हजार रुपए बताई गई। कुल जब्ती 6 लाख 15 हजार 480 रुपए की हुई है। पूछताछ में आरोपी गांजा रखने और बेचने से जुड़े कोई वैध दस्तावेज या लाइसेंस पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) और 27(ए) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

शहर को सुव्यवस्थित, आधुनिक व जनसुविधाओं से समृद्ध बनाने लगातार किए जा रहे कार्य : वित्तमंत्री चौधरी

अधोसंरचना विकास, पर्यावरण संरक्षण और युवाओं के लिए

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने नगर पालिक निगम रायगढ़ क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए कहा कि रायगढ़ शहर को सुव्यवस्थित, आधुनिक और जनसुविधाओं से समृद्ध बनाने के उद्देश्य से लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के विकास में अधोसंरचना विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सुविधाओं और युवाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

साहू समाज सामुदायिक भवन का लोकार्पण : वित्त मंत्री श्री चौधरी ने नगर निगम के वार्ड क्रमांक 28 में विधायक निधि से लगभग 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित साहू समाज सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन सामाजिक गतिविधियों, बैठकों, सांस्कृतिक आयोजनों और पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र होते हैं। ऐसे भवन समाज के लोगों को सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराते हैं और सामाजिक समन्वय को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर श्री चौधरी ने कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले साहू समाज के छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

श्रीराम कॉलोनी में बाल उद्यान का जीर्णोद्धार : वार्ड क्रमांक 21, श्रीराम कॉलोनी में अधोसंरचना विकास एवं पर्यावरण उपकर निधि से लगभग 46 लाख रुपये की लागत से बाल उद्यान जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत लैंडस्केपिंग, पौधरोपण, मुख्य द्वार, बाउंड्रीवाल, विद्युतीकरण, बच्चों के खेल उपकरण, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। वित्त मंत्री ने कहा कि इस उद्यान के विकसित होने से बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक स्थल मिलेगा तथा शहर के हरित क्षेत्र में वृद्धि होगी।

नाली निर्माण से सुदृढ़ होगी जल निकासी व्यवस्था : रायगढ़ स्टेडियम के पीछे से श्रीराम कॉलोनी मोड़ तक लगभग

37.88 लाख रुपये की लागत से 580 मीटर लंबी नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया गया। इस निर्माण से क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था में सुधार होगा और बरसात के दौरान होने वाली समस्याओं में कमी आएगी। श्री चौधरी ने कहा कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जल निकासी संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं।

रायगढ़ में तेजी से आगे बढ़ रहे विकास और सौंदर्यीकरण के कार्य : वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में सड़क, पुल, केलो नदी तट विकास, तालाब सौंदर्यीकरण, उद्यान निर्माण और ऑक्सीजन जोन जैसी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से कार्य चल रहा है। इतवारी बाजार क्षेत्र को ऑक्सीजन जोन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिलेगा। उन्होंने बताया कि निर्माणाधीन नालंदा परिसर युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का आधुनिक अध्ययन केंद्र बनेगा, जहां पुस्तकालय, अध्ययन कक्ष और मार्गदर्शन की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

बिजली बिल समाधान एवं सौर ऊर्जा योजनाओं की जानकारी : कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना की जानकारी देते हुए कहा कि इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिलों में राहत मिल रही है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से योजना का लाभ लेने की अपील की।

उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही सब्सिडी की जानकारी भी दी और नागरिकों से योजना से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्री लाल साहू, जनप्रतिनिधिगण, समाज के पदाधिकारी, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

खास खबर

नशामुक्त समाज और स्वस्थ जीवन की दिशा में संवेदनशील पहल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य शासन की जनकल्याणकारी सोच के अनुरूप समाज के संवेदनशील वर्गों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से जिला जशपुर में स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के समन्वय से विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल के तहत जिला अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम ने नशामुक्ति केंद्र तथा सियान गुड़ी पहुंचकर वहां रह रहे हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक जांच की। शिविर के दौरान चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर सहित विभिन्न आवश्यक परीक्षण किए गए। साथ ही हितग्राहियों को चिकित्सकीय परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन एवं आवश्यक स्वास्थ्य सलाह प्रदान की गई।

कार्यक्रम में मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा सामाजिक पुनर्वास की दिशा में भी मार्गदर्शन दिया। सियान गुड़ी में वरिष्ठ नागरिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, समय पर दवा सेवन एवं सक्रिय दिनचर्या बनाए रखने संबंधी जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे संयुक्त प्रयासों से जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत हो रही है तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। जिला प्रशासन द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जाने की बात कही गई है, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं एवं परामर्श सेवाओं का लाभ मिल सके।

सियान गुड़ी बन रही वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहारा और सम्मान का केंद्र-मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित सियान गुड़ी बुजुर्गों के लिए देखभाल, स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक जुड़ाव का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रही है। समाज कल्याण विभाग की इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत जिले में अब तक 94 वरिष्ठ नागरिक पंजीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 32 बुजुर्गों को नियमित रूप से फिजियोथेरेपी की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें शारीरिक समस्याओं से राहत मिल रही है।

हाल ही में जिला अस्पताल की विशेषज्ञ टीम, जिसमें चिकित्सा अधिकारी, मनोवैज्ञानिक, साइकेट्रिक नर्स और लैब तकनीशियन शामिल थे, इस टीम ने सियान गुड़ी और नशामुक्ति केंद्र के हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्त जांच किया। टीम ने वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सलाह और काउंसिलिंग भी प्रदान की। सियान गुड़ी में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से वरिष्ठ नागरिक विभिन्न मनोरंजक, सामाजिक और स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों में भाग लेते हैं। दिनभर की गतिविधियों के बाद शाम 6 बजे सभी पंजीकृत वरिष्ठ नागरिकों और कमर्चारियों की उपस्थिति में सुंदरकांड का पाठ किया जाता है, जिससे आध्यात्मिक और मानसिक शांति का वातावरण बनता है। सियान गुड़ी से लाभान्वित वरिष्ठ नागरिकों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह केंद्र उनके लिए सम्मान, देखभाल और आत्मीयता का स्थान बन गया है। समाज कल्याण विभाग ने जिले के सभी वरिष्ठ नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सियान गुड़ी पहुंचकर इस उपयोगी सुविधा का लाभ उठाएं।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना, शासन का उद्देश्य : दयालदास

सुशासन तिहार : जनसमस्या निवारण शिविर में 319 आवेदन प्राप्त, 114 का मौके पर हुआ निराकरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले के प्रतापपुर जनपद पंचायत के ग्राम चंदौरा में जनसमस्या निवारण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता सूरजपुर जिले के प्रभारी एवं प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल ने की, जबकि छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं मांगें प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं। शिविर में कुल 319 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 114 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। ग्रामवासियों को सम्बोधित करते हुए प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन का संकल्प है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि अधिक से अधिक लोग सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित शिविरों का लाभ उठाएं।

उन्होंने कहा कि किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शासन ने पारदर्शिता के साथ धान खरीदी की है तथा किसानों को राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया गया है। राज्य के जरूरतमंद एवं कमजोर वर्गों को नियमित रूप से खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। कृषि उत्पादकता बढ़ाने हेतु उन्होंने किसानों से मिट्टी परीक्षण कराने एवं शासन की योजनाओं के तहत खाद-बीज प्राप्त करने की अपील की।

आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं

प्रभारी मंत्री श्री बघेल ने आदिवासी संस्कृति

के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से शैला एवं कर्मा दलों को 20-20 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। साथ ही ग्राम चंदौरा में 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति की भी घोषणा की, जिसका लाभ क्षेत्रवासियों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में मिलेगा।

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने अपने सम्बोधन में कहा कि सुशासन तिहार शासन एवं प्रशासन के मध्य जनसंपर्क का एक प्रभावी माध्यम है। इन शिविरों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अपनी समस्याएं एवं आवश्यकताएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से हो तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते ने अपने सम्बोधन में कहा कि सुशासन तिहार ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान एवं विकास कार्यों को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांव, गरीब, किसान, महिलाओं एवं युवाओं के हित में निरंतर कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन मिलकर क्षेत्र के विकास एवं जनकल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।,

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि शासन एवं प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर समस्याओं के समाधान हेतु कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाएगा तथा आवेदन पंजीयन क्रमांक के माध्यम से उनकी स्थिति पोर्टल पर ट्रैक की जा सकेगी। कलेक्टर ने जिले वासियों से आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड बनवाने तथा टीबी, सिकल सेल एवं कुष्ठ जैसी बीमारियों के प्रति जागरूक रहने की अपील की। पर्यावरण संरक्षण हेतु उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाने का आग्रह किया। उन्होंने बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं राजस्व प्रकरणों जैसे फौती-नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने की बात कही। कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को योजनाओं की जानकारी आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए।

मंत्री केदार कश्यप ने विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

सड़क, पुलिया और पंचायत भवन निर्माण से गांवों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीण विकास कार्यों को लगातार गति मिल रही है। इसी क्रम में वन मंत्री केदार कश्यप ने मर्दापाल क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में कुल 1 करोड़ 2 लाख रूपए की लागत के 9 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया और पंचायत भवन जैसी आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। इन निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी और गांवों के विकास को नई गति प्राप्त होगी।

ग्राम सोनाबाल में आयोजित कार्यक्रम में 20 लाख रूपए की लागत से पंचायत भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। साथ ही नगरी के मंडली भवन से पनवाड़ी तालाब तक 300 मीटर सीसी सड़क निर्माण कार्य, जिसकी लागत 9 लाख रूपए है, का भी शुभारंभ किया गया। ग्राम पंचायत खण्डाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 3 मीटर पुलिया निर्माण कार्य (9 लाख रूपए), पंचायत भवन निर्माण कार्य (20 लाख रूपए) तथा ग्राम पंचायत बोरगांव के लोहारपारा में 1.5 मीटर पुलिया निर्माण कार्य (4 लाख 50 हजार रूपए) का भूमिपूजन किया गया।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत खचगांव में 20 लाख रूपए की लागत से पंचायत भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसके अलावा पूरन बघेल के खेत के पास 1.5 मीटर पुलिया निर्माण कार्य (4 लाख 50 हजार रूपए), आश्रित ग्राम ढोलमंदरी में तातरी बादे घर के पास 2 मीटर पुलिया निर्माण कार्य (6 लाख रूपए) तथा ग्राम पंचायत पोलंग के मुख्य मार्ग से टेमरूमुण्डा मार्ग के बीच चंदन खेत के पास 3 मीटर स्पॉन पुलिया निर्माण कार्य (9 लाख रूपए) का भी भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनिता कोर्राम सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ईंधन बचत और मितव्ययिता का अनूठा उदाहरण, प्रशासन की सामूहिक बस यात्रा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जिले के बसना अनुविभाग में सुशासन तिहार के दौरान एक प्रेरणादायी और अनोखी पहल देखने को मिली। अनुविभागीय अधिकारी हरिशंकर पैकरा, तहसीलदार केके साहू तथा जनपद पंचायत सीईओ पीयूष ठाकुर सहित 23 सदस्यीय अधिकारी-कर्मचारियों की टीम एक साथ बस में सफर कर सुशासन तिहार शिविर हेतु ग्राम नगौड़ी पहुँची।

यह केवल साधारण यात्रा तक सीमित नहीं रही, बल्कि वर्तमान समय में ईंधन संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं शासकीय कार्यों में मितव्ययिता का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग एवं जनहित में जिम्मेदार व्यवहार की अपील को व्यवहार में उतारते हुए बसना प्रशासन ने यह पहल किया।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर विनय लंगेह ने कल ही समय-सीमा की बैठक में सभी

विभागों को शासकीय कार्यों में मितव्ययिता बरतने तथा अनावश्यक व्यय कम करने के निर्देश दिए थे। इन्हीं निर्देशों के पालन में बसना अनुविभाग की टीम ने सामूहिक बस यात्रा को अपनाया।

अनुविभागीय अधिकारी हरिशंकर पैकरा ने कहा कि प्रशासन का एक महत्वपूर्ण अंग होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि शासन के निर्देशों का पालन करते हुए समाज के सामने सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि सामूहिक यात्रा से न केवल ईंधन की बचत होती है, बल्कि आपसी समन्वय और टीम भावना भी मजबूत होती है। इस यात्रा को अधिकारियों एवं कमर्चारियों ने सुखद और उपयोगी बताया। सभी ने इस पहल का स्वागत करते हुए भविष्य में भी सुशासन तिहार एवं अन्य शासकीय कार्यक्रमों में सामूहिक बस यात्रा को प्राथमिकता देने की बात कही। वर्तमान ईंधन संकट और बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच बसना प्रशासन की यह पहल अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरी है।

आमजन से अपील

प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे अनावश्यक वाहन उपयोग से बचें, कार पूलिंग एवं सामूहिक यात्रा को बढ़ावा दें तथा ईंधन संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाएं। ईंधन की बचत केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना : गरीब परिवारों को बेटियों की शादी की आर्थिक चिंता से मिल रही राहत-अरुण साव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत केशकाल में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में क्षेत्र के 58 जोड़ो ने पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं धार्मिक अनुष्ठानों के बीच परिणय सूत्र में बंधकर अपने नए वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप, कांकेर के सांसद भोजराज नाग, केशकाल के विधायक नीलकंठ टेकाम और कांकेर के विधायक आशाराम नेताम सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध दाम्पत्य जीवन की कामना की।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना राज्य शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटियों के विवाह में सहयोग प्रदान करना है। इस योजना से गरीब परिवारों को बेटियों की शादी की आर्थिक चिंता से राहत मिल रही है। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं। सभी समाजों के लोगों ने आज नवदंपतियों को आशीर्वाद देकर पुण्य का कार्य किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 35-35 हजार रुपए की सहायता राशि के चेक भी वितरित किए गए। नवदंपत्तियों को गृहस्थ जीवन प्रारंभ करने के लिए आवश्यक सामग्री भी प्रदान किए गए।

राज्यपाल से पद्मश्री तीजन बाई के परिजनों ने की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका से लोकभवन में प्रख्यात लोक कलाकार एवं पंडवानी गायिका श्रीमती तीजन बाई के परिजनों ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने तीजन बाई के स्वास्थ्य की जानकारी साझा की। राज्यपाल श्री डेका ने पंडवानी की विश्वविख्यात कलाकार तीजन बाई के स्वास्थ्य का हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ तथा उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

चर्चा के दौरान तीजन बाई के परिजनों ने बताया कि उनके सम्मान में आगामी 7 अगस्त को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। परिजनों ने इस अवसर पर राज्यपाल डेका को समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया। इस अवसर पर तीजन बाई की पुत्रवधू श्रीमती वेणू देशमुख सहित परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

वहीं जनगणना 2026 की प्रक्रिया के तहत लोकभवन में नगर निगम के अधिकारी पहुंचे, राज्यपाल रमेन डेका ने जनगणना कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान अधिकारियों ने जनगणना के सामान्य 33 बिंदुओं से संबंधित जानकारी राज्यपाल से प्राप्त की।

जनगणना प्रक्रिया के अंतर्गत अधिकारियों ने निर्धारित प्रश्नों के आधार पर राज्यपाल से विभिन्न जानकारियां लीं, जिनमें व्यक्तिगत, सामाजिक एवं अन्य सामान्य विवरण शामिल रहे। राज्यपाल डेका ने जनगणना कार्य में सहयोग करते हुए सभी आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराईं। इस अवसर पर नगर निगम रायपुर की जोन कमिश्नर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

डर भी बढ़ता है और सवाल भी उठता है

किसी राज्य या किसी शहर में कानून व्यवस्था का सवाल तब तो उठता ही है जब आम लोगों के साथ आए दिन लूट या छिनताई की घटना हो जाए लेकिन कानून व्यवस्था पर सवाल तब जोर शोर से उठता है कि जब किसी वीआईपी से लूट का छिनताई हो जाए। वीआईपी से लूट या छिनताई बड़ी घटना होती है और आम लोगों से लूट का छिनताई छोटी घटना होती है। पुलिस और विपक्ष के लिए तो लूट या छिनताई तो एक समान घटना होनी चाहिए लेकिन ऐसा होता नहीं है क्योंकि वीआईपी वीआईपी होता है और आम आदमी आम आदमी होता है। वीआईपी का महंगा मोबाइल कोई छीन ले तो वह बड़ी घटना होती है, विपक्ष उसे सरकार के मुंह पर कराया तमाचा समझता है और आम आदमी का मोबाइल आए दिन कोई छीन लेता है, लूट लेता है तो यह किसी के मुंह पर तमाचा नहीं होता है यह तो रोज होने वाली घटना होती है।

रोज होने वाली घटना को न तो पुलिस गंभीरता से लेती है और न ही राज्य का विपक्ष गंभीरता से लेता है क्योंकि दोनों मान के चलते हैं कि रोज होने वाली घटना तो रोज होती रहती है, उसे रोका नहीं जा सकता।सच भी है पुलिस कैसे लूट या छिनताई को रोक सकती है। यह तो अचानक कहीं भी, किसी के साथ भी, कोई भी कर सकता है। आम आदमी जा रहा है अचानक कोई बाइक पर आएगा और उसके हाथ से मोबाइल छीन कर भाग जाएगा तो कोई क्या कर सकता है।आम आदमी को तो रोज ऐसे लोगों से पाला पड़ता है। कोई शराब पीने के लिए पैसा मांगता है, नहीं देने पर छीन लेता है, कोई महंगा मोबाइल देखता है तो उसे पसंद आ जाता है तो छीन लेता है।आम आदमी इस तरह की घटना उसके साथ हो या किसी दूसरे के साथ हो वह डर जाता है। वह जानता है कि यह एक बार हुआ तो दूसरी बार भी हो सकता है। कोई उसे कितना भी कहे कि उसकी सुरक्षा के लिए पुलिस है तो उसे भरोसा नहीं होता कि पुलिस उसे लूट या छिनताई से बचा सकती है।

जिसे लूटना है या किसी का मंहगा मोबाइल छीन कर भाग जाना है। वह तो मौका मिलते ही ऐसा करता है।जब उसको मौका मिलता है वह करता है।करते वक्त वह यह नहीं देखता है कि उसका शिकार आम आदमी है या वीआईपी है।आम आदमी का मोबाइल सस्ता हो महंगा हो, वह एक बार कोई लूट लेता है या छीन लेता है तो आम आदमी को भरोसा नहीं होता है कि पुलिस उसे तलाश कर कुछ दिनों में वापस करेगी।पुलिस को मोबाइल वापस करना भी होता है तो वह एक साथ सौ दो सौ मोबाइल जब तलाश लेती है तो एक साथ वापस करती है क्योंकि तब पुलिस को भी लगता है कि उसने कोई बड़ा काम किया है और आम लोगों को भी लगता है कि पुलिस ने कितना बड़ा काम किया है, महीनो बाद सही उसका मोबाइल वापस तो किया।आम आदमी के मोबाइल को ढूंढने की पुलिस को कोई जल्दी नहीं होती है लेकिन वीआईपी मामले में पुलिस को जल्दी होती है इसलिए वह वीआईपी का मोबाइल घंटो में तलाश कर ही लेती हैं।

प्रदेश के वरिष्ट राजनेता व विधायक धरमलाल कौशिक को थोड़ी न पता था कि उनका भी मोबाइल कोई लूट सकता है या छीन सकता है वह तो मानकर घर से निकले थे कि अब तो राजधानी में कमिश्नर प्रणाली लागू हो गई है, उनसे कोई कैसे मोबाइल सुबह सैर के समय छीन सकता है और उनका मोबाइल कोई छीनकर भाग गया। होता है ऐसा सभी बड़े नेताओं के साथ होता है वह मानते कुछ है और हकीकत कुछ और होता है। इसीलिए तो सुशासन तिहार मनाया जा रहा है कि जमीनी हकीकत का पता रहे।

वरिष्ठ भाजपा नेता से मोबाइल छीन लेने की घटना पर हंगामा तो होना ही था क्योंकि देश के गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ आए हुए हैं, राजधानी में हाई अलर्ट है और हाई अलर्ट में कौशिक का मोबाइल छीन जाना वाकई में बड़ी घटना तो है। बडी घटना की बड़ी प्रतिक्रिया हुई और जांच के लिए, आरोपी को पकड़ने के लिए दो डीसीपी, दो एडीसीपी और तीन एसीपी समेत बडी संख्या में पुलिस निकल पड़ी उसको पकड़ने और मामला वीआईपी को होने के कारण आठ घंटे के भीतर उसे पकड़ भी लिया गया।इससे राज्य की जनता को यह पता चल गया कि हमारे यहां की पुलिस कितनी तेजी से काम करती है जब मामला वीआईपी का हो और यह भी साफ हो गया कि मामला आम आदमी को हो तो पुलिस इसी तरह के मामले में देरी करती है तो क्यों करती है। ऐसे में वीआईपी लोग क्यों नहीं मानेंगे कि राजधानी में कानून व्यवस्था ठीक है और आम आदमी क्यों कहता है कि पुलिस है हमारी सुरक्षा के लिए है लेकिन हमको उस पर भरोसा नहीं है या भरोसा कम होता जा रहा है।यह सुनने में अच्छा लगता है कि पुलिस व कानून सबके लिए बराबर है लेकिन ऐसा दिखता कहां है।

छत्तीसगढ़ में आत्मनिर्भरता, पोषण और बदलाव की नई पहचान बनीं महिला स्व-सहायता समूह

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, उप संचालक जनसंपर्क, रायपुर

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण और कुपोषण मुक्ति को एक साथ जोड़ते हुए राज्य सरकार ने एक ऐसी पहल शुरू की है, जिसने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आशा, आत्मविश्वास और आर्थिक स्थिरता की नई रोशनी जगाई है। आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पूरक पोषण आहार (रेडी-टू-ईट) के निर्माण एवं वितरण का दायित्व महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपकर सरकार ने महिलाओं को केवल रोजगार ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें विकास की मुख्यधारा में सशक्त भागीदारी का अवसर भी प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रारंभ की गई यह पहल राज्य में महिला सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा के समन्वित मॉडल के रूप में उभर रही है। पहले जहां पूरक पोषण आहार निर्माण का कार्य बाहरी एजेंसियों के माध्यम से किया जाता था, वहीं अब यह जिम्मेदारी गांव की महिलाओं ने संभाल ली है, इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित हुआ है और महिलाओं की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रही है।

राज्य सरकार ने प्रथम चरण में रायगढ़, कोरबा, सूरजपुर, बस्तर, दंतेवाड़ा और बलौदाबाजार-भाटापारा जिलों में इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया है। इन छह जिलें के 42 महिला स्व-सहायता समूहों को रेडी-टू-ईट पोषण आहार निर्माण एवं वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन समूहों के माध्यम से हजारों महिलाओं को रोजगार मिली है और वे अब संगठित रूप से उत्पादन, पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और वितरण का कार्य संभाल रही हैं।

प्रदेश का पहला रेडी-टू-ईट उत्पादन रायगढ़ जिले में प्रारंभ हुआ, जिसने पूरे राज्य के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। कोरबा जिले में 10, रायगढ़ में 10, सूरजपुर एवं बलौदाबाजार-भाटापारा में 7-7, बस्तर में 6 तथा दंतेवाड़ा में 2 महिला स्व-सहायता समूह इस कार्य से जुड़ी हुई हैं। इन समूहों के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों तक समय पर गुणवत्तापूर्ण पूरक पोषण आहार पहुंचाया जा रहा है।

इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इससे महिलाओं की भूमिका केवल श्रमिक तक सीमित नहीं रही, बल्कि वे प्रबंधन और निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा भी बनी हैं। उत्पादन इकाइयों में कार्यरत महिलाओं को मशीन संचालन, गुणवत्ता परीक्षण, पैकेजिंग, भंडारण वितरण और लेखा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया है। आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित इन इकाइयों ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है।

सूरजपुर जिले में संचालित रेडी-टू-ईट निर्माण संयंत्र इस बदलाव की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत कर रही हैं। भैयाथान, प्रतापपुर और सूरजपुर विकासखंडों में संचालित संयंत्रों में महिलाएं पौष्टिक नमकीन दलिया और मीठा शक्ति आहार तैयार कर रही हैं। इन खाद्य पदार्थों में विटामिन ए, विटामिन डी, आयरन, कैल्शियम, जिंक और फोलिक एसिड जैसे आवश्यक पोषक तत्व शामिल हैं, जो बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।

इन संयंत्रों में कार्यरत महिलाएं अब केवल अपने परिवार की जिम्मेदारियां नहीं निभा रहीं, बल्कि जिले के पोषण अभियान में महत्वपूर्ण भागीदार बन चुकी हैं। सूरजपुर जिले में निर्माण के साथ-साथ वितरण की जिम्मेदारी भी महिला समूहों को सौंपी गई है, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं आजीविका से जुड़ सकी हैं। लगभग 430 महिलाएं आंगनबाड़ी केंद्रों तक पोषण आहार पहुंचाने के कार्य में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस पहल को महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और बच्चों के बेहतर पोषण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। उनका कहना है कि यह योजना महिलाओं को रोजगार देने के साथ-साथ राज्य के पोषण स्तर में सुधार लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

दरअसल, यह पहल केवल पोषण आहार निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक बदलाव की एक सशक्त कहानी भी है, जिन महिलाओं की पहचान कभी केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थी, वे आज उत्पादन इकाइयों का संचालन कर रही हैं। समूहों का नेतृत्व कर रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन रही हैं। नियमित आय ने उनके जीवन में स्थिरता लाई है, आत्मविश्वास बढ़ाया है और समाज में उनकी भागीदारी को मजबूत किया है।

छत्तीसगढ़ में महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से संचालित यह मॉडल पोषण के साथ सशक्तिकरण की अवधारणा को वास्तविक रूप दे रहा है। यह पहल साबित कर रही है कि जब महिलाओं को अवसर और विश्वास मिलता है, तो वे न केवल अपने जीवन को बदलती हैं, बल्कि पूरे समाज के विकास की दिशा भी तय करती हैं।

नवा रायपुर अटल नगर : उपलब्धियों से नई ऊँचाइयों की ओर

नवा रायपुर अटल नगर : विकास, निवेश और आधुनिक भारत का उभरता स्मार्ट शहर

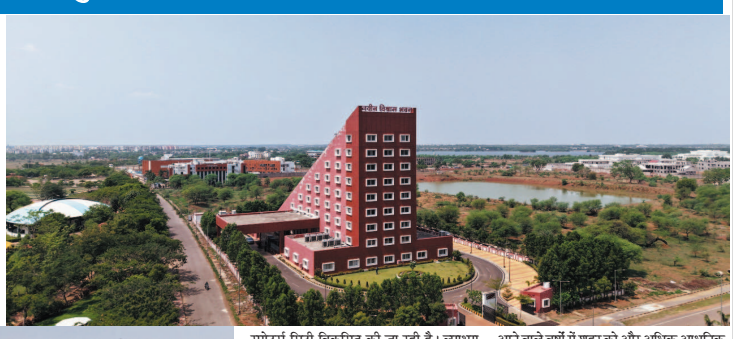

सुनील कुमार त्रिपाठी, सहायक संचालक, रायपुर

छत्तीसगढ़ की आधुनिक और योजनाबद्ध राजधानी नवा रायपुर अटल नगर आज देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे स्मार्ट शहरों में शामिल है। सुव्यवस्थित अधोसंरचना, हरित विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आईटी, पर्यटन और महिला सशक्तिकरण जैसे विविध क्षेत्रों में हुई उल्लेखनीय प्रगति ने नवा रायपुर को भविष्य के भारत का आदर्श शहरी मॉडल बना दिया है। यह केवल प्रशासनिक राजधानी नहीं, बल्कि निवेश, नवाचार और समावेशी विकास का उभरता हुआ केंद्र है।

स्मार्ट अधोसंरचना और शहरी सेवाओं में बड़ी उपलब्धियाँ

नवा रायपुर अटल नगर में 52 एमएलडी क्षमता की पाइपलाइन और अत्याधुनिक जल शोधन संयंत्र के माध्यम से पूरे शहर में दीर्घकालिक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इससे वर्तमान आबादी के साथ-साथ नए विकसित हो रहे सेक्टरों की आवश्यकताओं की भी पूर्ति हो सकेगी।

वर्षाजल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए 10.66 किलोमीटर लंबी बायोस्वेल्स, रिचार्ज पिट्स और प्राकृतिक जल निकासी तंत्र विकसित किए गए हैं। इन पहलों ने न केवल जल संरक्षण को मजबूत किया है, बल्कि शहर के पर्यावरणीय संतुलन को भी सुदृढ़ किया है।

परिवहन और कनेक्टिविटी को मिला नया आयाम

रायपुर-राजिम रेल सेवा का नवा रायपुर के सीबीडी स्टेशन तक विस्तार शहर की कनेक्टिविटी को नई गति प्रदान कर रहा है।

महिलाओं की सुरक्षित आवाजाही और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पिंक ई-रिक्शा सेवा शुरू की गई है। साथ ही, ई-बस संचालन के लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो चुका है और सेवा प्रारंभ होने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। यह पहल हरित और टिकाऊ शहरी परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

शिक्षा के क्षेत्र में विकसित हो रहा एडूसिटी

नवा रायपुर के 13 सहकारी विद्यालयों का उन्नयन किया गया है और दो उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित किया गया है।

लगभग 200 एकड़ क्षेत्र में एडूसिटी का विकास किया जा रहा है, जहाँ राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों जैसे National Institute of Fashion Technology (NIFT), National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT) और National Forensic Sciences University (NFSU), Narsee Monjee को भूमि आवंटित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त सेक्टर-7 में 17 एकड़ भूमि पर आवासीय विद्यालय की स्थापना प्रस्तावित है।

मेडिसिटी : स्वास्थ्य सेवाओं का नया केंद्र

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग 500 एकड़ क्षेत्र में विश्वस्तरीय मेडिसिटी विकसित की जा रही है। यहाँ सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, डायग्नोस्टिक सेंटर, धर्मशाला, होटल और आवासीय सुविधाएँ विकसित की जाएँगी।

इस परियोजना के तहत Bombay Hospital को 300 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है। साथ ही, लगभग 50 एकड़ भूमि पर आवासीय विकास हेतु निजी निवेशकों को भूखंड

आवंटित किए गए हैं, जिनमें लगभग 350 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

महिला सशक्तिकरण और श्रमिक कल्याण

कार्यरत महिलाओं के लिए 1,000 क्षमता वाले वर्किंग वुमन हॉस्टल का निर्माण 109 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। यह परियोजना महिला सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी।

इसके अतिरिक्त, प्रवासी श्रमिकों के लिए 1,100 क्षमता वाला सर्वसुविधायुक्त श्रमिक

आवास भवन 40 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है।

पर्यटन, संस्कृति और MICE गंतव्य के रूप में उभार

नवा रायपुर में 77 एकड़ भूमि पर सेवाग्राम तथा सेक्टर-39 में Art of Living Foundation को 40 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जहाँ सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों के बड़े केंद्र विकसित हो रहे हैं।

सेक्टर-4 और 10 में लगभग 120 एकड़ क्षेत्र में निजी निवेश के माध्यम से कन्वेंशन सेंटर कम स्पोर्ट्स सिटी विकसित की जा रही है। लगभग 800 करोड़ रुपये की इस परियोजना में विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर और टेनिस, तैराकी, कुश्ती, तीरंदाजी तथा स्क्वैश जैसी खेल सुविधाएँ शामिल होंगी।

सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी का उभरता हब

नवा रायपुर में राज्य का पहला रणे आधारित एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निजी निवेश अपेक्षित है।

यहाँ भारत का पहला GaN तकनीक आधारित सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने के लिए भी भूमि आवंटित की गई है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक कॉमन फैसिलिटी सेंटर (CFC) हेतु भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त हुई है, जहाँ PCB प्रोटोटाइपिंग, 3D प्रिंटिंग और एटव टेस्टिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

सीबीडी क्षेत्र में प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर आईटी कंपनियों को सुसज्जित कार्यालय स्थान उपलब्ध कराए गए हैं। वर्तमान में लगभग 1,000 युवा कार्यरत हैं और 2,000 अतिरिक्त रोजगार सृजन की संभावना है।

सतत विकास और हरित पहल

पीपल फॉर पीपल अभियान के अंतर्गत 1 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं, जिससे शहर के 26 प्रतिशत हरित क्षेत्र को संरक्षित और विस्तारित करने में मदद मिली है।

बायोस्वेल्स, रिचार्ज सिस्टम और हरित कॉरिडोर जैसे उपाय नवा रायपुर को पर्यावरण-अनुकूल और जल-संवेदनशील शहर के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

प्राधिकरण की आगामी कार्ययोजना

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण आने वाले वर्षों में शहर को और अधिक आधुनिक एवं निवेश-आकर्षक बनाने हेतु कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है:

सेरीखेड़ी और मंदिरहसौद क्षेत्र में लगभग 1,100 एकड़ पर 800 करोड़ रुपये की लागत से अधोसंरचना विकास।

राज्य राजधानी क्षेत्र (SCR) के एकीकृत विकास हेतु विशेष प्राधिकरण गठन।

500 एकड़ में मेडिसिटी और 200 एकड़ में एडूसिटी का विस्तार।

नवा रायपुर को IT, ITeS और AI हब के रूप में स्थापित करना।

वार्षिक पूंजीगत व्यय क्षमता को 1,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाना।

वेलनेस सेंटर, वेडिंग डेस्टिनेशन, MICE कैपिटल और पर्यटन परियोजनाओं में निजी निवेश को प्रोत्साहन।

प्रभावित ग्राम पंचायतों में ग्राम विकास योजना के आधार पर आधुनिक अधोसंरचना विकास।

इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) का तकनीकी उन्नयन।

सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ करने हेतु 40 नई ई-बसों का संचालन।

नई राजधानी, नए भारत की पहचान

नवा रायपुर अटल नगर आज योजनाबद्ध विकास, आधुनिक सुविधाओं और सतत शहरीकरण का सशक्त उदाहरण बन चुका है। शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, पर्यटन और हरित विकास के क्षेत्रों में निरंतर प्रगति इसे न केवल छत्तीसगढ़ की नई पहचान बना रही है, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरक मॉडल के रूप में स्थापित कर रही है।

आने वाले वर्षों में नवा रायपुर अटल नगर निश्चित ही भारत के सबसे आधुनिक, निवेश-अनुकूल और जीवन गुणवत्ता से परिपूर्ण शहरों में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा।

ऋषभ पंत की फिसली जुबा

प्रेजेंटेशन में लखनऊ टीम के लिए बोल गए अपशब्द

जयपुर (एजेंसी)। कप्तान ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स की 13 मैचों में नौवीं हार के बाद पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में टीम के लिए अपशब्द बोल गए। आईपीएल2026 में वे प्लेऑफ की दौड़ से बहुत पहले ही बाहर हो चुके हैं। टीम फिलहाल अंक तालिका में सबसे नीचे है और अब इस सीजन के खत्म होने से पहले उन्हें सिर्फ एक आखिरी मैच की औपचारिकता पूरी करनी है।

पंत शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जब उन्होंने कहा, 'हम एक टीम के तौर पर गर्व महसूस करते हैं, चाहे अभी हमारी स्थिति कैसी भी हो। हमारी टीम जैसी है, हमें पता है कि हम जीत सकते हैं। चाहे कुछ भी हो, हम टीम और खिलाड़ी के तौर पर बहुत आत्मविश्वासी हैं। चीजें हमारे हिसाब से नहीं गईं और ये सब जानते हैं, लेकिन इससे ये सच नहीं बदलता कि हम एक (अपशब्द) अच्छी टीम हैं।'

एलएसजी की सबसे बड़ी समस्या उनकी बल्लेबाजी रही है। खुद पंत का सीजन बेहद खराब रहा है, जहां उन्होंने 12 पारियों में सात बार 20 या उससे कम रन बनाए। उनके आसपास के बड़े खिलाड़ी, जैसे- निकोलस पूरन भी फॉर्म में नहीं दिखे। यहां तक कि मिचेल मार्श, जिन्होंने हाल ही में शतक लगाया था और मंगलवार को 96 रन बनाए, उनका भी इस आईपीएल में आगाज धीमा रहा था। टीम डायरेक्टर टॉम मूडी ने माना कि खासकर मध्य क्रम का खराब प्रदर्शन, टीम के इस औसत प्रदर्शन की बड़ी वजह रहा, जिसकी वजह से टीम लगातार अंक तालिका के निचले हिस्से में रही।

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ बल्लेबाजों ने ठीक प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के सामने बुरी तरह दबाव में आ गए। सूर्यवंशी ने 38 गेंदों में 93 रन बनाए जबकि जायसवाल ने 23 गेंदों में 43 रन की पारी खेली। ऋषभ सलामी बल्लेबाजों ने 221 रन के लक्ष्य में से 75 रन सिर्फ 39 गेंदों में ही जोड़ दिए।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

शानदार जीत से खत्म की सीरीज

भोपाल (एजेंसी)। भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने भोपाल में खेले गए चार मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराकर शानदार अंदाज में जीत दर्ज की। उदय दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय साई सेंटर में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मेहमान टीम को पूरी तरह दबाव में रखा।

हालांकि मैच की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया ने शानदार अंदाज में की। पहले क्वार्टर के आठवें मिनट में ऑरोरा कोवासेविच ने गोल दागकर ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई। लेकिन भारतीय कप्तान स्वीटी कुजूर ने 13वें मिनट में बराबरी का गोल कर टीम को मैच में वापसी दिला दी।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने पलटा मैच -पहले क्वार्टर के बाद भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ता गया। दूसरे क्वार्टर में दीया ने 25वें मिनट में गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा और ऑस्ट्रेलियाई टीम को ज्यादा मौके नहीं दिए।

दूसरे हाफ में भारत का दबदबा -तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज ने 44वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त को और मजबूत कर दिया। वहीं अंतिम क्वार्टर में नौशीन नाज ने 50वें मिनट में गोल दागकर भारत की 4-1 की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। भारतीय टीम ने पूरे दूसरे हाफ में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और ऑस्ट्रेलिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से जीती - हालांकि भारत ने आखिरी मुकाबला जीत लिया, लेकिन चार मैचों की सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से अपने नाम की। पहले मैच में भारतीय टीम को 3-4 से करीबी हार मिली थी। इसके बाद दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4-1 से हराया। तीसरे मैच में भी भारतीय टीम संघर्ष के बावजूद जीत हासिल नहीं कर सकी।

वनडे टीम से पांच बाहर;, रोहित-हार्दिक के खेलने पर भी संशय

टीम इंडिया में 4 नए खिलाड़ियों की एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय टीम 6 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। उसके बाद 14 जून से तीन वनडे मैचों की सीरीज भी टीम इंडिया अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर खेलने उतरेगी। इन दोनों सीरीज के लिए 19 मई (मंगलवार) को टीम इंडिया का ऐलान किया गया है। वनडे और टेस्ट दोनों टीमों की कमान शुभमन गिल संभालेंगे। जबकि चार नए चेहरे इन दोनों सीरीज में नजर आने वाले हैं।

वनडे से 5 खिलाड़ियों की छुट्टी

भारत ने पिछली वनडे सीरीज आईपीएल और टी20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली थी। उस सीरीज में शामिल यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, ऋषभ पंत और चोटिल हर्षित राणा बाहर हो गए हैं। इशान किशन की बतौर सेकंड विकेटकीपर टीम में वापसी हुई है। प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे का पहली बार भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है।

हार्दिक पंड्या अभी भी स्क्वरी पर हैं

रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या का भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है। मगर दोनों खिलाड़ियों को सब्जेक्ट टू फिटनेस टीम में जगह मिली है, यानी वे दोनों अगर फिट हुए तो ही प्लेइंग 11 में खेल पाएंगे। आईपीएल 2026 में दोनों को इंजरी से जूझते देखा गया है। रोहित वापसी कर चुके हैं लेकिन बतौर इम्पैक्ट प्लेयर खेल रहे हैं। जबकि हार्दिक पंड्या अभी भी स्क्वरी पर हैं।

कौन से 4 नए खिलाड़ी शामिल

भारतीय टेस्ट टीम में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है। इसके चलते मानव सुतार और गुरनूर बराड़ को टेस्ट टीम में जगह मिली है। जबकि अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह कुलदीप यादव बतौर सीनियर स्पिनर हैं और हर्ष दुबे का पहली बार भारतीय टीम में चयन हुआ है। वनडे टीम में भी गुरनूर और हर्ष शामिल हैं, प्रिंस यादव नए चेहरे के रूप में वनडे टीम में नजर आएंगे।

किशन की वनडे टीम में वापसी

950 दिन पहले अफगानिस्तान के खिलाफ ही खेला था अंतिम मैच

नई दिल्ली। इशान किशन की पहले टी20 टीम में वर्ल्ड कप से पहले वापसी हुई। अब जब तैयारी शुरू होनी है वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तो उनका अब एकदिवसीय स्क्वाड में भी चयन हो गया है। इशान ने अपना आखिरी वनडे मैच 11 अक्टूबर 2023 को वनडे वर्ल्ड कप में ही अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। अब ठीक 950 दिन बाद ही उनका फिर से भारतीय वनडे टीम में चयन हो गया है। इशान किशन को टीम में बतौर सेकंड विकेटकीपर और बतौर बैक अप ओपनर शामिल किया गया है। रोहित शर्मा की फिटनेस के आधार पर उनका सेलेक्शन हुआ है। अगर रोहित फिट नहीं होते हैं तो उनका प्लेइंग 11 में खेलने पर संशय है।

इशान किशन का वनडे स्क्वॉर्ड

इशान किशन को भारत के 2023 वनडे वर्ल्ड कप के स्क्वाड में भी बतौर बैकअप ओपनर शामिल किया गया था। उन्होंने डेंगू से पीड़ित शुभमन गिल की जगह पहले दो मैच भी खेले थे। आखिरी बार वह वनडे टीम में अफगानिस्तान के खिलाफ ही नजर आए थे। इशान ने भारत के लिए अभी तक 27 वनडे इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इशान के नाम 27 वनडे मैचों की 24 पारियों में 42.40 की औसत और 102.19 के स्ट्राइक रेट से 933 रन दर्ज हैं। उन्होंने वनडे में सात अर्धशतक और एकमात्र शतक लगाया है जो उनकी इस फॉर्मेट में एकमात्र डबल सेंचुरी भी था। किशन ने बांग्लादेश के खिलाफ 210 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। उसके बाद से वह सिर्फ दो वनडे मैच ही खेले थे और अब तकरीबन तीन साल बाद वह फिर से वनडे टीम का हिस्सा बन चुके हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का स्क्वाड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप

हारा पाकिस्तान, पर नुकसान भारत को हुआ, छठे स्थान पर खिसका

स्थान	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	न्यूजीलैंड	3	2	0	1	28	77.78
3	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
4	श्रीलंका	2	1	0	1	16	66.67
5	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
6	भारत	9	4	4	1	52	48.15
7	इंग्लैंड	10	3	6	1	38	31.67
8	पाकिस्तान	4	1	3	0	4	8.33
9	वेस्टइंडीज	8	0	7	1	4	4.17

सिलहट (एजेंसी)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराकर इतिहास रच दिया। सिलहट टेस्ट में 78 रन की जीत के साथ बांग्लादेश ने पाकिस्तान का सूपड़ा साफ किया। हालांकि इस नतीजे का असर भारत पर पड़ा, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में छठे स्थान पर खिसक गया। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 78 रन से हराकर सीरीज अपने नाम की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद बांग्लादेश को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 अंक तालिका में बड़ा फायदा हुआ, जबकि भारत को नुकसान झेलना पड़ा।

बांग्लादेश ने टेस्ट सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप की

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने आखिरी दिन संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम स्कॉर्ड रन चेज पूरा करने में नाकाम रही। मोहम्मद रिजवान ने एक छोर संभालते हुए शानदार 94 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह टीम को ऐतिहासिक जीत नहीं दिला सके। रिजवान के आउट होते ही पाकिस्तान की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गईं और बांग्लादेश ने लगातार दूसरी बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिया।

रिजवान ने दिखाई लड़ाई, लेकिन नहीं मिला साथ

437 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने पांचवें दिन 316/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। शुरुआत में रिजवान को जीवनदान भी मिला, जब मेहदी हसन मिराज ने उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद रिजवान और साजिद खान ने तेज बल्लेबाजी करते हुए आठवें विकेट के लिए 50 रन जोड़े। साजिद खान 28 रन बनाकर ताइजुल इस्लाम का शिकार बने। इसके बाद रिजवान अकेले लड़ते रहे, लेकिन शोरीफुल इस्लाम की गेंद पर आउट होकर शतक से सिर्फ 6 रन दूर रह गए। उन्होंने 166 गेंदों में 94 रन बनाए। आखिर में ताइजुल ने खुर्रम शहजाद का विकेट लेकर बांग्लादेश को 78 रन की शानदार जीत दिलाई।

ताइजुल इस्लाम बने जीत के हीरो

बांग्लादेश की जीत के सबसे बड़े हीरो लेफ्ट आर्म स्पिनर ताइजुल इस्लाम रहे। उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। ताइजुल ने मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार दबाव बनाए रखा और अहम मौकों पर विकेट निकाले।

अनिल कुंबले ने माना, क्रिस गेल का स्क्वॉर्ड तोड़कर इतिहास रच सकते हैं वैभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना ??है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की रेंज और स्वभाव उन्हें अन्य बल्लेबाजों से अलग करता है और वह आईपीएल के एक सत्र में सर्वाधिक छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सूर्यवंशी आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक 53 छक्के लगा चुके हैं और गेल के 2012 में लगाए गए 59 छक्कों के रिकॉर्ड को बराबरी करने से केवल छह छक्के दूर हैं।

इस 15 वर्ष के बल्लेबाज ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स की तरफ से लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंद में 93 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 7 चौके शामिल हैं। इस तूफानी पारी की बदौलत उनकी टीम ने 221 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट से आसान जीत हासिल की।

'मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं, इसलिए जल्दबाजी नहीं -वैभव सूर्यवंशी - राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में तहलका मचा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर में खेले गए मुकाबले में 15 वर्षीय बल्लेबाज ने सिर्फ 38 गेंदों में 93 रन ठोककर टीम को शानदार जीत दिलाई। मैच के बाद वैभव ने अपनी पारी को लेकर बड़ा बयान दिया और बताया कि उन्होंने शुरुआत में संयम से बल्लेबाजी क्यों की। वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि उन्हें अपनी ताकत पर पूरा भरोसा था और वह जानते थे कि वह किसी भी समय लगातार चौके-छक्के लगा सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने शुरुआत में जल्दबाजी नहीं की और विकेट पर समय बिताने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यही थी कि मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं। इसलिए मैंने शुरुआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं की और मैच को आखिर तक ले जाने की कोशिश की।

फुटबॉल इतिहास की दर्दनाक कहानी

आत्मघाती गोल और मौत का 'फरमान'

जिसे दुनिया ने 'जेंटलमैन' माना, लेकिन देश बचा नहीं पाया

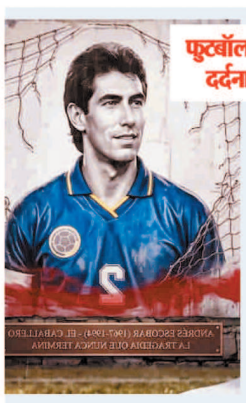

नई दिल्ली। आंद्रेस एस्कोबार को दुनिया फुटबॉल के सबसे सभ्य और शांत खिलाड़ियों में गिनती थी। मैदान पर ईमानदारी से खेलने और अच्छे व्यवहार की वजह से उन्हें 'द जेंटलमैन' कहा जाता था। हालांकि, 1994 FIFA World Cup (फीफा विश्व कप) में एक गलती के कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। फीफा विश्व कप में आत्मघाती गोल कथित तौर पर उनकी मौत का कारण बना। अमेरिका के खिलाफ मैच में हुई उस गलती के बाद कोलंबिया वर्ल्ड कप से बाहर हो गया और सिर्फ पांच दिन बाद एस्कोबार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। माना गया कि यह हत्या उसी 'आत्मघाती गोल' और उससे जुड़े सट्टे में हुए नुकसान का बदला थी। फुटबॉल इतिहास की यह घटना आज भी दुनिया की सबसे दर्दनाक खेल घटनाओं में गिनी जाती है।

सामान्य परिवार से निकला फुटबॉल का 'जेंटलमैन'

आंद्रेस एस्कोबार का जन्म 13 मार्च 1967 को कोलंबिया के मेडेलिन शहर में हुआ था। वह एक सामान्य परिवार में पले-बढ़े। स्कूल के दिनों से ही वह फुटबॉल खेलते थे और बाद में यही उनका करियर बन गया। उनके पिता डारियो एस्कोबार बैंकर थे। डारियो एस्कोबार ने एक ऐसा संगठन बनाया था, जो युवाओं को सड़कों पर भटकने के बजाय फुटबॉल खेलने का मौका देता था। उनके भाई सैटियागो एस्कोबार भी फुटबॉलर रहे। बाद में वह टीम मैनेजमेंट में चले गए।

- **वह आत्मघाती गोल जिसने सब कुछ बदल दिया-** 1994 फीफा वर्ल्ड कप में कोलंबिया का दूसरा ग्रुप मैच मेजबान अमेरिका के खिलाफ था। इसी मुकाबले में आंद्रेस एस्कोबार से वह आत्मघाती गोल हुआ, जो बाद में उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी त्रासदी बन गया। अमेरिकी मिडफील्डर जॉन हार्क्स के क्रॉस को रोकने की कोशिश में आंद्रेस एस्कोबार ने गेंद को गलती से अपने ही गोलपोस्ट में पहुंचा दिया।

वर्ल्ड कप से लौटने के पांच दिन बाद हत्या

वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद आंद्रेस एस्कोबार ने लास वेगास में अपने रिश्तेदारों से मिलने के बजाय कोलंबिया लौटने का फैसला किया। एक जुलाई 1994 की रात वह अपने दोस्तों के साथ इलाके के एक बार में गए। बाद में वह एक शराब की दुकान और फिर एक नाइटक्लब पहुंचे। कुछ समय बाद उनके दोस्त अलग हो गए। सुबह करीब 3 बजे आंद्रेस एस्कोबार नाइटक्लब के पार्किंग एरिया में अपनी कार के पास पहुंचे थे। आंद्रेस एस्कोबार वहां अकेले थे, तभी तीन लोग वहां पहुंचे और उनसे बहस करने लगे। दो लोगों ने पिस्तौल निकाल ली। आंद्रेस एस्कोबार को 0.38 कैलिबर की पिस्तौल से छह गोलियां मारी गईं।

इमरान खान ने सिंगल फादर होने का दर्द किया बयां

इमरान खान ने हाल ही में सिंगल फादरहुड को लेकर खुलकर बात की। एक्टर ने बताया कि अकेले पिता के तौर पर जिंदगी आसान नहीं होती और कई बार उन्हें समाज की सोच का भी सामना करना पड़ता है।

इमरान ने कहा कि कुछ माता-पिता अपने बच्चों को उनके घर प्लेडेट के लिए भेजने में हिचकिचाते हैं, क्योंकि वह अकेले रहते हैं। उन्होंने माना कि यह अनुभव कभी-कभी काफी अकेलापन महसूस कराता है। एक्टर ने अपनी बेटी इमारा की को-पैरेंटिंग और एक्स-वाइफ अवंतिका मलिक के साथ रिश्ते पर भी बात की। उन्होंने कहा कि सिंगल फादर्स के पास अक्सर वैसा इमोशनल सपोर्ट सिस्टम नहीं होता जैसा महिलाओं के पास होता है।

पुरुष अंदर ही अंदर संघर्ष करते रहते हैं

इमरान के मुताबिक, महिलाएं अपनी दोस्तों के साथ खुलकर भावनाएं शेयर कर लेती हैं, लेकिन पुरुषों को बचपन से यही सिखाया जाता है कि उन्हें मजबूत दिखना है और अपनी कमजोरी जाहिर नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'पुरुषों के लिए समाज ने मर्दानगी की एक तय सोच बना दी है, जहां भावनाओं और कमजोरियों पर खुलकर बात नहीं की जाती। यही वजह है कि कई पुरुष अंदर ही अंदर संघर्ष करते रहते हैं।'

अब इस एक्ट्रेस को डेट कर रहे हैं इमरान?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान खान इन दिनों लेखा वाशिंगटन को डेट कर रहे हैं। कहा जाता है कि दोनों की नजदीकियां 2020 में बढ़ीं, क्योंकि वे एक ही सोशल सर्कल का हिस्सा थे।

'टॉक्सिक' के लिए फायदेमंद साबित होगा रिलीज टलना

'टॉक्सिक' पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी, फिर इसे जून के लिए शिफ्ट किया गया था। लेकिन अब इसकी कोई फाइनल रिलीज डेट अभी तक घोषित नहीं की गई है। इसपर अब तारा सुतारिया ने भी अपने विचार रखे हैं।

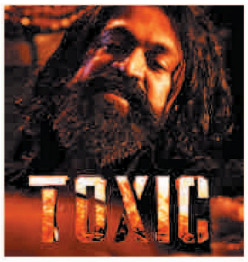

यश स्टारर इस पैन-इंडिया फिल्म को लेकर बताया गया था कि मिडल ईस्ट में चल रहे हालात की वजह से रिलीज प्लान में बदलाव करना पड़ा। बाद में यह भी साफ किया गया कि फिल्म पूरी तरह बनकर तैयार है, लेकिन टीम अभी इसकी ग्लोबल रिलीज और बड़े डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर्स को फाइनल करने में लगी हुई है, ताकि फिल्म को दुनिया भर में सही तरीके से रिलीज किया जा सके।

फिल्म को लेकर बोलीं तारा सुतारिया?

इसी बीच फिल्म की एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में इस देरी पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस पूरी स्थिति को बहुत समझदारी से देखती हैं। तारा ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं बहुत पेशेंस रखती हूं। मैं ये नहीं सोचती कि अगर फिल्म तुरंत रिलीज नहीं हुई तो क्या होगा। एक एक्टर के तौर पर आप फिल्म को सिर्फ अपनी नहीं मान सकते, यह पूरी टीम की होती है।' उन्होंने आगे कहा कि कई बार बड़े फैसलों के पीछे सही वजहें होती हैं, जिन्हें प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स बेहतर समझते हैं। तारा ने यह भी कहा कि वह दर्शकों की एक्साइटमेंट को समझती हैं और खुद भी फिल्म का इंतजार कर रही हैं, लेकिन उनका मानना है कि यह इंतजार फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होगा और इसे ग्लोबली बेहतर रिस्पॉन्स मिलेगा।

'टॉक्सिक' फिल्म के बारे में

अब यश के फैंस बेसब्री से फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में कियारा और यश के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसमें यश डबल रोल में होंगे। इसके निर्देशक गीतू मोहनदास हैं।

आखिर क्यों फिल्में नहीं कर रहीं अनुष्का शर्मा?

अनुष्का शर्मा पिछले करीब आठ साल से बॉलीवुड में फिल्में नहीं कर रही हैं। उनकी आखिरी फिल्म 'जीरो' थी, जो साल 2018 में रिलीज हुई थी। अब वह कभी-कभी विज्ञापनों में नजर आती हैं। उनके कई फैंस जानना चाहते हैं कि आखिर अनुष्का फिल्में क्यों नहीं कर रही हैं?

अब भारत में नहीं रहतीं अनुष्का

अनुष्का शर्मा ने साल 2017 में क्रिकेटर विराट कोहली से शादी की थी। जनवरी 2021 में उनकी बेटी वामिका का जन्म हुआ और फरवरी 2024 में बेटे अकाय का जन्म हुआ। इसके बाद परिवार लंदन रहने चला गया। अनुष्का और विराट ने कभी साफ-साफ नहीं बताया कि वे भारत क्यों छोड़कर गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार माधुरी दीक्षित के पति डॉ. श्रीराम नेने ने बताया था कि वे बच्चों को लाइमलाइट से दूर शांति से बड़ा करना चाहते हैं। इसलिए अनुष्का नए फिल्मी प्रोजेक्ट भी नहीं ले रही हैं।

परिवार को महत्व?

अनुष्का अब परिवार और बच्चों को ज्यादा समय देना चाहती हैं। लंदन में रहने और प्राइवेसी की वजह से वे बॉलीवुड से दूरी बनाए हुए हैं। एक बार सिमी गरेवाल के शो में अनुष्का ने कहा था कि शादी और बच्चों के बाद वे फिल्मों से दूर हो जाना चाहती हैं। उन्होंने कहा था, 'मैं शादी करना चाहती हूं, बच्चे चाहती हूं और शादी के बाद शायद काम नहीं करूंगी।'

क्या 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में आएंगी आरजे महवश

आरजे महवश इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'सतरंगी: बदले का खेल' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज 22 मई 2026 को जी5 पर रिलीज होने वाली है। शो में उनके साथ अंशुमान पुष्कर और कुमुद मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इंडियाज गॉट लेटेंट के दूसरे सीजन में दिखाई देंगी, तो महवश ने बताया कि समय रैना ने उन्हें शो के लिए इनवाइट किया था। उन्होंने कहा, 'जब हम एक शो की शूटिंग कर रहे थे, तब समय ने मुझसे पूछा था कि क्या मैं उनके शो के अगले सीजन में आऊंगी। मैंने उनसे कहा कि मैं जरूर आना चाहूंगी।' महवश ने यह भी बताया कि जब समय मुश्किल दौर से गुजर रहे थे, तब वह उन्हें व्यक्तिगत तौर पर ज्यादा नहीं जानती थीं। उन्होंने कहा कि वह बाहर से पूरी स्थिति को देख रही थीं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उस दौरान उनकी रणवीर अल्लाहबादिया से बात हुई थी।

वर्क फ्रंट की बात करें तो आरजे महवश जल्द ही 'सतरंगी: बदले का खेल' में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह मशहूर कोरियोग्राफर और डायरेक्टर रेमो डिसूजा की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'तेढ़ी है पर मेरी है' पर भी काम कर रही हैं।

'सीक्रेट डायरेक्टिंग' की अफवाहों पर आमिर ने तोड़ी चुप्पी

आमिर खान को बॉलीवुड का 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है। फिल्मों में उनकी गहरी दिलचस्पी और हर छोटी-बड़ी चीज पर ध्यान देने की आदत की वजह से अक्सर ऐसी अफवाहें उड़ती रही हैं कि वह अपनी फिल्मों को पर्दे के पीछे से खुद डायरेक्ट करते हैं। लेकिन अब आमिर खान ने इन सभी खबरों पर खुलकर जवाब दिया है।

'घोस्ट डायरेक्टिंग' पर क्या बोले एक्टर?

हाल ही में स्क्रीन एकेडमी इवेंट के दौरान आमिर खान ने साफ कहा कि अपने 38 साल के करियर में उन्होंने सिर्फ एक ही फिल्म डायरेक्ट की है और वह 'तारे जमीन पर' है। बाकी फिल्मों को लेकर जो 'घोस्ट डायरेक्टिंग' की बातें होती हैं, वह पूरी तरह गलत हैं।

आमिर ने कहा, 'मीडिया ने हमेशा कहा कि मैं फिल्मों को पर्दे के पीछे से डायरेक्ट करता हूं। लेकिन ऐसा क्यों करूंगा मैं? अगर मैं इतना अच्छा काम कर रहा हूं तो किसी और का नाम क्यों दूंगा? क्या मुझे पागल कुत्ते ने काटा है?' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अपने करियर में कई शानदार डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। आमिर का मानना है कि हर निर्देशक अपनी अलग सोच और स्टाइल लेकर आता है और यही वजह है कि उनकी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग दिखाई देती हैं। आमिर ने उदाहरण देते हुए कहा कि 'लगान', 'रंग दे बसंती', 'सरफरोश' और '3 इडियट्स' जैसी फिल्मों का अंदाज और कहानी अलग-अलग है, क्योंकि हर फिल्म के पीछे अलग निर्देशक की सोच थी।

फिल्मों की सफलता पूरी टीम की मेहनत होती है

उन्होंने यह भी कहा कि फिल्मों की सफलता सिर्फ एक इंसान की नहीं होती, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा होती है। आमिर ने बताया कि उन्होंने 'तलाश', 'रंग दे बसंती' या 'तारे जमीन पर' की कहानी नहीं लिखी थी। उन्हें बस ये कहानियां पसंद आईं और वह उनका हिस्सा बनना चाहते थे। आमिर खान का वर्कफ्रंट वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान आखिरी बार 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे। आने वाले समय में वह राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' के सीक्वल में दिखाई दे सकते हैं।

मम्मी के लिए इतना कमाना है कि खर्च करते समय बिल्कुल न सोचें

पलक तिवारी इंडस्ट्री के उन स्टार किड्स में से हैं, जो एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले ही सोशल मीडिया पर स्टार बन चुकी थीं, मगर जब जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की इस बेटी ने एक्टिंग की असली दुनिया में कदम रखा है, तो उन्हें भी अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ रहा है। 'बिजली बिजली' गाने से अपने करियर की शुरुआत करने वाली पलक तिवारी सलमान खान के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' में नजर आने के बाद 'भूतनी' में भी दिखीं, मगर इन दिनों वह अपनी नई सीरीज 'लुक्खे' की अपनी भूमिका से तारीफें बटोर रही हैं।

अपनी मम्मी जैसी बनना चाहती हूं

ग्लैमर जगत में आने के साथ ही पलक तिवारी की तुलना उनकी जानी-मानी मशहूर टीवी एक्ट्रेस मां श्वेता तिवारी से होने लगी थी। मगर पलक का कहना है कि लोग भले उन दोनों को एक्ट्रेस की तरह देखें, मगर असल जीवन में वो मां-बेटी हैं। पलक अपनी मां के लिए बहुत कुछ करना चाहती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे आज तक पैसे का कोई डर नहीं रहा। जब मेरी मम्मी ने मुझे पैदा किया तो उन्हें जो बनना था, वो बन चुकी थीं। तो मुझे कभी पैसे या किसी चीज की कमी कभी नहीं रही। मगर वो जिस मध्यमवर्गीय माहौल से आती हैं, उनके दिमाग में अभी भी रहता है कि अरे 5 हजार खर्च हो गए, अरे इतने पैसे खर्च हो गए। पता नहीं मेरी मम्मी के लिए वो कितने पैसे होंगे, जब उन्हें ये सोचना न पड़े, मगर मैं इतना पैसा कमाना चाहती हूं कि वो पैसे के बारे में दो बार भी न सोचें। उन्हें कुछ खर्च करते हुए कटौती न करनी पड़े।'

भाई तो मुझे पूरे घर में नचाता है

हालिया वेब सीरीज में पलक बहन की एक बेहद इमोशनल भूमिका में हैं। असल जिंदगी में कैसी बहन हैं वो? इस पर वह कहती हैं, 'मेरा भाई नौ साल का है। हर किसी को लगता है कि घर पर मैं बॉसिंग करती होऊंगी, मगर मेरी मजाल क्या है, जो मैं बॉसिंग करूं। घर श्वेता तिवारी का है और उनका फेवरेट बच्चा उनका छोटा वाला है (हंसती हैं) मैं जब मम्मी से कहती हूं कि इसने मुझे मारा, तो वह झट से कहती हैं, तुमने कोई हरकत ही ऐसी की होगी। मेरा छोटा भाई रेयांश मम्मी के पीछे जाकर यही करता है। हाल-फिलहाल मेरी जिंदगी यही है कि नौ साल का एक छोटा-सा बच्चा मुझे लात मार कर पूरे घर में नचवाता रहता है। मगर इसके अलावा मेरे पास और कोई चारा भी नहीं है। (ठहाका लगाती हैं) हालांकि वो मेरे जिगर का टुकड़ा है। मस्ती-मजाक की बात साइड में रख दें, तो उसने मम्मी और नानी के स्ट्रगल को देखा है और वो चीजें समझता है। मैं भी उसके लिए काफी इम्पोर्टेंट हूं। मैं सोचती हूं, इतना अच्छा काम करूं कि उसे मुझ पर गर्व हो।

लक के साथ मेहनत जरूरी

पलक खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि फिल्मों में उनकी शुरुआत सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' से से हुई। एक्टिंग की दुनिया में अपनी जमीन तलाशती पलक अपनी जर्नी को लेकर कहती हैं, 'हर प्रोजेक्ट और हर रोल के साथ बेहतर होने की कोशिश करती हूं। आपको एक अजीब-सी बात बताऊं? किसी भी ऑडिशन या रोल के लिए मैंने उस वक्त कितना भी अच्छा क्यों न किया हो? या उस वक्त मैं उसमें कितनी ही सही क्यों न लगी होऊं, मगर बाद में मैं खुद को कभी अच्छी नहीं लगी। आज पलट कर देखती हूं, तो लगता है, छि कितनी बुरी लग रही हूं। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि वह मैंने कितना कमाल का काम किया है। मैं सोचती हूं कि ऐसा करने से मैं खुद को संवारती रह सकती हूं। जब मैंने सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ भी काम किया था, तब भी लोगों ने कहा था, तू कितनी लकी है, मगर मुझे लगता है कि लक के साथ मेहनत भी बहुत जरूरी है।'

सुशासन तिहार : किसानों को एग्रीस्टैक पंजीयन के लिए सरपंच करें प्रेरित - कलेक्टर प्रजापति

देववाडवी क्लस्टर में सरपंचों संग कलेक्टर ने की विकास कार्यों और जनसमस्याओं की समीक्षा, जल संरक्षण और ग्राम सचिवालय को लेकर सरपंचों को दिए अहम निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

सुशासन तिहार 2026 के तहत विकासखंड अंबागढ़ चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत देववाडवी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर से पहले कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने देववाडवी क्लस्टर की 10 ग्राम पंचायतों के सरपंचों की बैठक लेकर पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं और जनसमस्याओं की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भारती चंद्राकर, एसडीएम मोहला श्री हेमेंद्र भुआर्य, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कमर्चारी, पटवारी तथा क्षेत्र के सरपंच उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन समस्याओं से संबंधित शिकायतें अधिक मिल रही हैं, उनका त्वरित और प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने जल संरक्षण और जल संचयन के स्थायी उपायों पर विशेष जोर दिया। ग्राम पंचायतों को तालाब, कुएं और अन्य जल संरक्षण कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि क्षेत्र में जल स्तर में सुधार लाया जा सके।

कलेक्टर ने सभी सरपंचों से गांवों में नियमित मुनादी कराकर प्रत्येक माह ग्राम सचिवालय आयोजित करने को कहा। उन्होंने कहा कि ग्राम सचिवालय के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं, विकास योजनाओं और आवश्यक कार्यों पर स्थानीय स्तर पर चर्चा कर तेजी से समाधान किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आवास निर्माण कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर निर्माण पूर्ण होने से आगामी स्वीकृतियों में भी सुविधा मिलेगी। बैठक में कोरिया मॉडल के तहत खेतों में गड्ढे बनाकर जल संचयन की जानकारी साझा की गई। इसके अलावा आधार अपडेट, अटल डिजिटल सुविधा केंद्र और किसानों के एग्रीस्टैक पंजीयन की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सरपंचों से किसानों को एग्रीस्टैक में पंजीयन के लिए प्रेरित करने की अपील करते हुए कहा कि इससे भविष्य में शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में किसानों को आसानी होगी।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले शासकीय तालाबों को मछली पालन हेतु मछुआ समूहों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को पट्टे पर दिए जाने की व्यवस्था की जाएगी। इससे स्थानीय समूहों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे तथा ग्राम पंचायतों को आय अर्जित करने में भी सहायता मिलेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग से संबंधित अविवादित नामांतरण, अविवादित बंटवारा एवं अन्य सरल राजस्व प्रकरणों का निराकरण पंचायत स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को त्वरित सुविधा मिल सके और उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

डायल-112 नेक्स्ट जेन सेवा का मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले में हुआ शुभारंभ

शासन द्वारा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की पुलिस को अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित 4 नई आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन (ईआरवी) प्रदान की गई हैं। डायल-112 वाहन (फेज-2 नेक्स्ट जेन) सेवा को आज जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वायपी सिंह ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डायल-112 राज्य शासन की एकीकृत एवं अत्याधुनिक आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली है, जिसके माध्यम से नागरिकों को पुलिस, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, महिला हेल्पलाइन, चाइल्ड हेल्पलाइन, प्राकृतिक आपदा सहायता, नेशनल हाईवे सहायता एवं रेल मदद जैसी सेवाएं एक ही नंबर 112 पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। नई ईआरवी वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, मोबाइल डाटा टर्मिनल (एमडीटी), जीआईएस आधारित निगरानी प्रणाली, लोकेशन बेस्ड सर्विस (एलबीएस) एवं इमरजेंसी लोकेशन सर्विस (ईएलएस) जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे किसी भी आपातकालीन घटना की सूचना प्राप्त होते ही त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सकेगी। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रीमती भारती चंद्राकर, जनप्रतिनिधि दिलीप वर्मा, मदन साहू, रमेश हिडामे, अनिल गुप्ता, सहित अधिकारी, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं सभी स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि डायल-112 सेवा के माध्यम से आमजन को चौबीसों घंटे त्वरित सहायता उपलब्ध कराना शासन एवं पुलिस विभाग की प्राथमिकता है। जिला पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी दुर्घटना, अपराध, आगजनी, चिकित्सा आपातकाल अथवा अन्य संकट की स्थिति में तत्काल डायल-112 पर संपर्क करें एवं इस महत्वपूर्ण सेवा का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

खास खबर

सुशासन तिहार : शहरी वार्डों की समस्याओं के समाधान के लिए लगाया गया शिविर

नई दृष्टिबिंदु / अंबागढ़ चौकी

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के टाउन हॉल में शहरी क्षेत्र के वाडवासियों के लिए सुशासन तिहार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वार्ड क्रमांक 05, 06, 07, 08 एवं 09 के बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए और अपनी मांगों एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा मौके पर ही आवेदन प्राप्त कर त्वरित निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। शिविर में मांग एवं शिकायत संबंधी कुल 690 आवेदन प्राप्त हुए। सुशासन तिहार के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा उनकी समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं के अंतर्गत सामग्री वितरण, स्वीकृति आदेश एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर लाभान्वित किया गया।

नगर पंचायत अध्यक्ष अंबागढ़ चौकी ने अपने संबोधन में कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं, जिससे आमजन को राहत मिल रही है। उन्होंने नागरिकों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने शिविर में उपस्थित अधिकारियों एवं कमर्चारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य केवल आवेदन प्राप्त करना नहीं, बल्कि समस्याओं का प्रभावी समाधान करना है। शिविर में राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, विद्युत विभाग, सहकारिता विभाग, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, वन विभाग, मत्स्य विभाग तथा खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई एवं पात्र हितग्राहियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष श्री अनिल मानिकपुरी, पार्षद गण सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में वाडवासी उपस्थित रहे।

प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का मॉडल उत्तर जारी, 30 मई तक कर सकते हैं दावा-आपत्ति

बेमेतरा। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालयों की कक्षा 9वीं (सत्र 2026-27) में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्चयन परीक्षा का मॉडल उत्तर विभागीय वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। यह परीक्षा 10 मई 2026 (रविवार) को आयोजित की गई थी। जारी सूचना के अनुसार प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा के मॉडल उत्तर विभागीय वेबसाइट [eklavya.cg.nic.in] (https://eklavya.cg.nic.in/utm_source=chatgpt.com) पर अपलोड किए गए हैं। विभाग द्वारा अभ्यर्थियों से दावा एवं आपत्ति आमंत्रित की गई है। विभागीय कार्यक्रम के तहत मॉडल उत्तर 20 मई 2026 को जारी किए गए हैं, जबकि दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 मई 2026 रात्रि 12 बजे तक निर्धारित की गई है। दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने वाले अभ्यथियों को सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, जिला बेमेतरा कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर प्रमाण सहित आवेदन जमा करना होगा। बिना प्रमाण के प्राप्त दावा-आपत्ति स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्राप्त आपत्तियों का परीक्षण विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा तथा उनका निर्णय अंतिम एवं सवर्मान्य होगा। साथ ही डाक माध्यम से भेजे गए दावा-आपत्ति आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सुशासन तिहार बना जरूरतमंद परिवार का सहारा, मेनका बाई के चेहरे पर लौटी मुस्कान

मोहला। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आयोजित जन समस्या निवारण शिविर आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। शासन की मंशा के अनुरूप गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है। जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी अंतर्गत ग्राम कुदुरघोड़ा निवासी श्रीमती मेनका बाई के लिए भी सुशासन तिहार खुशियां लेकर आया। उनके परिवार में कुल 11 सदस्य हैं और परिवार का मुख्य आजीविका स्रोत कृषि कार्य है। बड़े परिवार के पालन-पोषण में राशन कार्ड की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। श्रीमती मेनका बाई ने अपने ग्राम पंचायत में राशन कार्ड बनवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया था। सुशासन तिहार के अंतर्गत देववाडवी में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में उनकी समस्या का निराकरण करते हुए उन्हें नया राशन कार्ड प्रदान किया गया। राशन कार्ड प्राप्त होने पर उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने बताया कि राशन कार्ड बनने से अब उनके परिवार को शासकीय खाद्यान्न योजना का लाभ आसानीउ से मिल सकेगा, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने शासन-प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान गांव में ही हो रहा है, जिससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

स्वच्छता, जल संरक्षण और पौधरोपण का दिया संदेश

जनता की सेवा और समस्याओं का समाधान ही सरकार की प्राथमिकता-विधायक साहू

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

शासन की मंशानुसार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बेमेतरा द्वारा सिंगौरी स्थित नवधा चौक में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और अपनी समस्याएं, मांगें एवं आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर आमजन और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी मंच साबित हुआ।

जनता की समस्याएं प्राथमिकता से हल हों - विधायक

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने शिविर में पहुंचकर नागरिकों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं तथा विभागीय अधिकारियों से आवेदनों के निराकरण की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान संवेदनशीलता एवं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए। विधायक साहू ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर शासन और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत करने का माध्यम है। प्रशासन स्वयं लोगों के बीच पहुंचकर समस्याएं सुन रहा है और मौके पर निराकरण का प्रयास कर रहा है, जिससे आमजन का भरोसा शासन-प्रशासन पर और मजबूत हुआ है।

सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध

विधायक दीपेश साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा एवं बुजुर्गों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने नागरिकों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा किसी भी समस्या के लिए सीधे प्रशासन से संपर्क करने की अपील की।उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता पारदर्शी एवं सरल प्रक्रिया के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

शिविर के दौरान विधायक साहू ने नगरवासियों से बेमेतरा को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का निर्माण संभव है। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक पौधरोपण करने एवं पौधों के संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सोख्ता गड्ढा निर्माण करने की भी अपील की।

नगर पालिका द्वारा नागरिक सुविधाओं के लिए लगातार प्रयास

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद द्वारा नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं तथा जनता की समस्याओं के समाधान हेतु हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे जनहितकारी अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

विभिन्न विभागों ने लगाए स्टॉल, योजनाओं की दी जानकारी

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में स्कूली शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पशुधन विकास विभाग, श्रम विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं लोक सेवा केंद्र सहित विभिन्न विभागों की सहभागिता रही।

हितग्राहियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र और लाभ

शिविर में भानु बाई वर्मा, चैती बाई साहू एवं प्रेमिन वर्मा को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए, जिसके माध्यम से उन्हें पांच लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलेगी। नोनी सुरक्षा योजना अंतर्गत गरिमा साहू एवं विद्या वर्मा को एलआईसी बीमा बांड प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। वहीं कनक वर्मा एवं हर्षिता वर्मा को सुकन्या समृद्धि योजना की पासबुक वितरित की गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत श्रीमती नील वर्मा एवं दीपिका श्रीवास को 5-5 हजार रुपये का चेक एवं सम्मान प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नशा मुक्ति का लिया संकल्प

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कमर्चारियों एवं नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने समाज को नशामुक्त बनाने, युवाओं को जागरूक करने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक वातावरण निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, रजकाकार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, एडीएम प्रकाश भारद्वाज, रायपुर जिला प्रभारी राजेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, महामंत्री संदीप यादव, पार्षद विकास तंबोली, नीतू कोठारी, रोशन दत्ता, दोहाई वर्मा, भानु राम साहू सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कमर्चारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री के प्रयासों से कबीरधाम में हो रहा मिनी स्टेडियम का निर्माण

मानसून पूर्व निर्माण पूर्ण करने अधिकारियों को दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से कबीरधाम जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 52-52 लाख रुपए की लागत से आधुनिक मिनी स्टेडियमों का निर्माण कराया जा रहा है। इन स्टेडियमों के निर्माण से ग्रामीण अंचलों के युवाओं को खेल प्रतिभा निखारने के साथ-साथ पुलिस, सेना एवं अन्य सुरक्षा बलों की भर्ती हेतु फिजिकल तैयारी करने में भी बड़ी सुविधा मिलेगी।

श्री शर्मा ने सभी निर्माण कार्यों को मानसून पूर्व पूर्ण कर संबंधित ग्राम समितियों को हैंडओवर करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उनके निर्देशों के पालन में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर निर्माणाधीन मिनी स्टेडियमों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर नरेन्द्र मानिकपुरी, आरईएस विभाग के अधिकारी, स्टेडियम समिति के सदस्य, ठेकेदार एवं संबंधित ग्रामों के सरपंच उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने कहा कि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उनके नेतृत्व में गांवों में खेल सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं को नशे और भटकाव से दूर रखते हुए खेल एवं अनुशासन की ओर प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल अधोसंरचना विकसित होने से युवाओं को अब अपने ही गांव में खेल अभ्यास एवं प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं की शारीरिक तैयारी करने का अवसर मिलेगा।

इससे युवाओं की प्रतिभा को नया मंच मिलेगा तथा खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा के निर्देश पर स्टेडियमों के रख-रखाव एवं संचालन के लिए स्थानीय युवाओं की समिति भी गठित की गई है। यह समिति स्टेडियम की देखरेख, स्वच्छता एवं खेल गतिविधियों के संचालन में सहयोग करेगी। इससे युवाओं में जिम्मेदारी एवं सहभागिता की भावना भी विकसित होगी। उन्होंने ग्राम दौजरी, बैजलपुर, घुघरी कला, खारा, उसरवाही, तितरी, झलमला एवं चिल्फी में निर्माणाधीन मिनी स्टेडियमों का निरीक्षण किया।

सिविल सर्विस की प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 24 मई को

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली द्वारा सिविल सर्विस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 24 मई को किया जाएगा। यह परीक्षा जिले के 22 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी। परीक्षा की प्रथम पाली सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक एवं द्वितीय पाली दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक संचालित होगी। इसमें कुल 8 हजार 449 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री का वितरण सुबह 07 बजे एवं 12 बजे जिला कोषालय, कलेक्टर परिसर रायपुर से किया जाएगा। परीक्षा के संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर रायपुर उपेन्द्र किण्डो को सहायक को-ऑर्डिनेटिंग सुपरवाइजर तथा रोजगार अधिकारी, विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर केदारनाथ पटेल को कंट्रोल रूम प्रभारी नियुक्त किया गया है।

कबीरधाम में डायल-112 फेस-2 नेक्स्ट जनरेशन सेवा का हुआ शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 16 अत्याधुनिक इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहनों और 1 हाईवे पेट्रोलिंग वाहन को दिखाई हरी झंडी

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

जिले में नागरिक सुरक्षा एवं आपातकालीन सेवाओं को और अधिक प्रभावी, त्वरित एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में थाना कोतवाली परिसर, कवर्धा में डायल-112 फेस-2 नेक्स्ट जनरेशन सेवा का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर गृह मंत्री द्वारा डायल-112 के 16 नवीन इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहनों (ईआरवी) एवं एक हाईवे पेट्रोलिंग वाहन को हरी झंडी दिखाकर जिले में सेवा हेतु रवाना किया गया।

कार्यक्रम में गौ सेवा आयोग अध्यक्ष बिशेसर पटेल, पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य भगत पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका परिषद कवर्धा अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव मोतीराम चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम ध्रुवे, नंदलाल चंद्राकर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि डायल-112 फेस-2 नेक्स्ट जनरेशन सेवा राज्य सरकार की नागरिक सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आपातकालीन सेवाओं को आधुनिक तकनीक एवं त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली से जोड़ने का उद्देश्य आम नागरिकों को संकट की स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि डायल-112 सेवा एक्के नंबर - सब्बो बर की अवधारणा पर आधारित है, जिसके अंतर्गत अब नागरिकों को अलग-अलग सेवाओं के लिए भिन्न-भिन्न नंबर याद रखने की आवश्यकता नहीं होगी। केवल 112 डायल कर पुलिस सहायता, फायर ब्रिगेड, मेडिकल इमरजेंसी, महिला हेल्पलाइन, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं का लाभ एकीकृत प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्राप्त किया जा सकेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि नवीन इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहन अत्याधुनिक जीपीएस तकनीक, रियल टाइम ट्रैकिंग, डिजिटल कम्युनिकेशन एवं मॉनिटरिंग सिस्टम से सुसज्जित हैं, जिससे सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर दुर्घटना अथवा अन्य आपात स्थितियों में शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने हेतु हाईवे पेट्रोलिंग वाहन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कबीरधाम पुलिस की अपील

कबीरधाम पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी आकस्मिक, आपातकालीन अथवा संकट की स्थिति में बिना किसी संकोच के तत्काल डायल-112 सेवा का उपयोग करें। कबीरधाम पुलिस नागरिकों की सुरक्षा, सहायता एवं त्वरित सेवा हेतु चौबीसों घंटे प्रतिबद्ध एवं तत्पर है।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना में लाखों की धोखाधड़ी, दो आरोपी गिरफ्तार

फर्जी बैंक खातों में ट्रांसफर की गई हितग्राहियों की राशि, पुलिस ने मोबाइल, एटीएम कार्ड और बैंक दस्तावेज किए जब्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को मिलने वाली शासकीय प्रोत्साहन राशि में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। योजना की राशि फर्जी बैंक खातों में हस्तांतरित कर लाखों रुपए की हेराफेरी करने वाले दो आरोपियों को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में थाना धमधा एवं थाना पाटन पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से वैधानिक कार्रवाई की गई है।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने जनपद पंचायत स्तर पर प्राप्त लॉगिन आईडी और पासवर्ड का दुरुपयोग कर हितग्राहियों के वास्तविक बैंक खातों के स्थान पर अपने नियंत्रण वाले खातों की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल में दर्ज कर दी थी। इसके बाद शासकीय राशि उन्हीं खातों में ट्रांसफर होती रही।

107 हितग्राहियों की राशि फर्जी खातों में पहुंची

पुलिस के अनुसार थाना धमधा क्षेत्र में 44 हितग्राहियों की लगभग 4 लाख 50 हजार रुपए तथा थाना पाटन क्षेत्र में 63 हितग्राहियों की लगभग 12 लाख 60 हजार रुपए की राशि अन्य बैंक खातों में स्थानांतरित की गई। इस प्रकार कुल 107 हितग्राहियों की लगभग 17 लाख 10 हजार रुपए से अधिक की राशि में अनियमितता सामने आई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना धमधा में धारा 318(4) बीएनएस तथा थाना पाटन में अपराध क्रमांक 176/2026 के तहत धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई।

तकनीकी जांच से खुला पूरा फर्जीवाड़ा

विवेचना के दौरान पुलिस ने बैंक दस्तावेज, ऑनलाइन पोर्टल की जानकारी एवं तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच में पाया गया कि आरोपियों को योजना अंतर्गत खातों में सुधार के लिए अधिकृत लॉगिन एक्सेस प्राप्त था। इसी का दुरुपयोग करते हुए उन्होंने पात्र हितग्राहियों के बैंक खातों की जानकारी बदलकर अपने नियंत्रण वाले खातों का विवरण दर्ज कर दिया।

शासकीय राशि ट्रांसफर होने के बाद आरोपी मोबाइल बैंकिंग एवं एटीएम के माध्यम से रकम निकालते और उसका उपयोग करते थे। शिकायत एवं जांच शुरू होने की जानकारी मिलने पर कुछ राशि दोबारा खातों में वापस जमा भी की गई।

पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिसमें दीपक कुमार यादव, निवासी जिला दुर्ग और लिलेश्वर यादव उर्फ रवि, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम अकोला वार्ड क्रमांक-06 उड़िया बस्ती, थाना कुम्हारी, जिला दुर्ग पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक एवं अन्य बैंकिंग दस्तावेज जब्त किए हैं।

एक्सिस बैंक शाखा गंजपारा सहित कई स्थान जांच के दायरे में

जांच के दौरान जनपद पंचायत धमधा, जनपद पंचायत पाटन तथा एक्सिस बैंक की गंजपारा शाखा से जुड़े दस्तावेजों एवं खातों की भी जांच की गई। दुर्ग पुलिस ने आमजन एवं शासकीय योजनाओं से जुड़े कमर्चारियों से अपील की है कि किसी भी शासकीय पोर्टल की लॉगिन आईडी, पासवर्ड, बैंकिंग जानकारी या ओटीपी किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा न करें। किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता की जानकारी तत्काल पुलिस अथवा संबंधित विभाग को दें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शासकीय योजनाओं में भ्रष्टाचार एवं धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

थाना धमधा एवं थाना पाटन पुलिस टीम ने शिकायत प्राप्त होते ही त्वरित दस्तावेजी जांच, तकनीकी विश्लेषण, बैंक खातों की जांच तथा ऑनलाइन पोर्टल के परीक्षण के माध्यम से आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस की इस कार्रवाई को शासकीय योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बारिश पूर्व तैयारियों का निरीक्षण, कसारीडीह नाला सफाई कार्य का लोक कर्म प्रभारी ने लिया जायजा

नालों की सफाई अभियान में तेजी, संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष नजर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर में जलभराव एवं जल निकासी संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग एवं निगम अमला लगातार शहर की व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहा है।

इसी क्रम में लोक कर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने वार्ड पार्षद दीपक साहू, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारी शेखर दुबे के साथ सहगल ऑटो के समीप स्थित कसारीडीह नाला पहुंचकर सफाई कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि बारिश के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए नालों की सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। साथ ही जलभराव वाले संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष तैयारी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार शंकर नाला मुक्तिधाम के पीछे से सफाई अभियान प्रारंभ कर सुराना कॉलेज केलबाड़ी नाला, पोटिया नाला सहित कसारीडीह नाला की व्यापक सफाई कराई जा रही है। इसके अतिरिक्त जलभराव संभावित स्थानों की पहचान कर वहां आवश्यक संसाधनों एवं मशीनों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि निगम प्रशासन बारिश पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है। शहर के प्रमुख नालों एवं जलभराव संभावित क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

वहीं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि बारिश के दौरान जलभराव एवं नाली जाम जैसी समस्याओं से निपटने के लिए नियंत्रण व्यवस्था भी बनाई जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में निगम की टीम नियमित मॉनिटरिंग करेगी तथा शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ऋषिकान्त ने राष्ट्रीय हिमालयन ट्रैकिंग में किया कैंप लीडर का दायित्व निर्वहन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (वाईएचएआई) नई दिल्ली द्वारा हिमाचल प्रदेश में आयोजित नेशनल हिमालयन ट्रेकिंग कैंप के अन्तर्गत फुलारा रिज 2026 के लिए ऋषि कांत तिवारी ने कैंप लीडर का दायित्व निभाया।

दुर्ग जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के पूर्व उपाध्यक्ष व यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया दुर्ग-भिलाई इकाई के प्रेसिडेंट तिवारी ने समुद्र तल से लगभग 13000 फीट की ऊँचाइयों पर हिमालय के पवर्तों में कम से कम 21 दिनों तक कैंप लीडर के रूप में अपने साहसिक दायित्वों का निर्वहन किया। इस कैंप के अन्तर्गत फुलारा रिज 2026 में देश के लगभग 250 प्रतिभागियों (ट्रेकर्स) ने भाग लिया।

वाईएचएआई छत्तीसगढ़ के सचिव के. सुब्रमण्यम ने बताया श्री तिवारी द्वारा कैम्प लीडर के रूप में उक्त ट्रेकिंग कैंप में देश के सभी राज्यों से भाग लेने वाले प्रतिभागियों का मार्गदर्शन व प्रशिक्षण हेतु 25 अप्रैल को उत्तराखंड में बेसकैम्प ग्राम सांकरी तहसील मोरी जिला उत्तरकाशी में रिपोर्ट की गई। इस दरम्यान सेवबाग बेस कैंप से ट्रैकिंग करते हुए जुड़ा का तालाब, भोजगढ़ी एवं पुस्तारा जैसे देवभूमि के हिम शिखरों व वादियों में चढ़ाई करते हुए ट्रैकिंग की गई। ऋषि कांत तिवारी की इस उपलब्धि पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रमेश शर्मा छत्तीसगढ़ राज्य अधिवक्ता परिषद के सदस्य एवं पूर्व उपाध्यक्ष संतोष वर्मा, जिला अधिवक्ता संघ के सचिव रविशंकर सिंह, उपाध्यक्ष प्रशांत जोशी, कोषाध्यक्ष साकेत मिश्रा, पूर्व उपाध्यक्ष प्रकाश धन्डोरे, रोहित सिंह

भाजपा सरकार में जनता की समस्या का त्वरित समाधान करना हमारी पहली प्राथमिकता है-विधायक ललित चंद्राकर

विधायक चंद्राकर ने शक्ति विहार रिसाली में भूमि विवाद के तत्काल निराकरण के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड क्रमांक 28 स्थित शक्ति विहार कॉलोनी में भूमि खसरा नंबर 1040/60, रकबा 1075 वर्गफीट के सीमांकन को लेकर उत्पन्न विवाद को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि विगत कई दिनों से कॉलोनीवासियों द्वारा भूमि की सीमाएं स्पष्ट नहीं होने की शिकायत लगातार प्राप्त हो रही थी, जिसके कारण क्षेत्र में विवाद की स्थिति निर्मित हो रही थी। उन्होंने कहा कि जनता की इस समस्या का स्थायी और पारदर्शी समाधान आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा पूर्व में इस संबंध में तहसीलदार कार्यालय को पत्र भेजा गया था, लेकिन आम नागरिकों को शीघ्र राहत दिलाने के उद्देश्य से उन्होंने निगम आयुक्त को निर्देशित किया है कि निगम के राजस्व एवं भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम तत्काल गठित की जाए। यह टीम राजस्व अभिलेखों एवं मौके की स्थिति का परीक्षण कर भूमि का सीमांकन करेगी तथा स्पष्ट प्रतिवेदन तैयार कर निगम कार्यालय एवं कॉलोनीवासियों को उपलब्ध कराएगी।

विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में सुशासन का अर्थ है जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण। उन्होंने कहा कि कोई भी नागरिक अपनी समस्या को लेकर परेशान नहीं रहेगा और शक्ति विहार की इस भूमि विवाद सहित क्षेत्र की अन्य समस्याओं का भी प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने सीमांकन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी संबंधित पक्षों को मौके पर बुलाकर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार के विवाद की संभावना न रहे। निगम आयुक्त को सात दिवस के भीतर सीमांकन की कार्रवाई पूर्ण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ-साथ जनता की मूलभूत समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। भूमि संबंधी विवादों से नागरिकों को मानसिक एवं आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए प्रशासन को समय रहते निष्पक्ष कार्रवाई कर लोगों को राहत प्रदान करनी चाहिए।

इस अवसर पर विधायक ने क्षेत्रीय पार्षद एवं निगम अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे कॉलोनीवासियों के सतत संपर्क में रहें और सीमांकन कार्य में पूर्ण सहयोग सुनिश्चित करें।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने शहर के व्यस्त मार्गों का किया बारिकी से निरीक्षण

शहर के सौन्दर्यीकरण और ट्रैफिक दबाव कम करने अधिकारियों को दिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश सरकार शहरों में आधुनिक, सुरक्षित और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था विकसित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी कड़ी में दुर्ग शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में बढ़ते यातायात के दबाव को नियंत्रित करने, सुगम आवागमन सुनिश्चित करने और नागरिकों को जाम की समस्या से स्थाई राहत दिलाने के उद्देश्य से केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने शहर का सघन भ्रमण किया। सुबह 9 बजे से शुरू हुए इस निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह और एसएसपी विजय अग्रवाल भी मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन और लोक निर्माण विभाग के आला अधिकारियों के साथ मिलकर कैबिनेट मंत्री श्री यादव ने जमीनी हकीकत का जायजा लिया और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था में सुधार के आवश्यक निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने प्रशासनिक अधिकारियों की टीम के साथ मुख्य रूप से पटेल चौक, अग्रसेन चौक, होटल मान चौक तथा रेलवे स्टेशन क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने अधिकारियों के साथ पटेल चौक से स्टेशन रोड, शिक्षक नगर होते हुए इंदिरा मार्ग रोड जैसे अत्यधिक व्यस्त रहने वाले मार्गों का पैदल भ्रमण किया और वतर्मान ट्रैफिक व्यवस्था की बारीकियों को समझा। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर यातायात के प्रवाह को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना था। साथ ही इन क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण को लेकर भी विस्तृत समीक्षा की गई और मंत्री श्री यादव ने आवश्यक एवं व्यावहारिक सुझाव दिए, जिससे शहर का स्वरूप और बेहतर हो सके।

निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने पटेल चौक, मिनीमाता चौक, जेल तिराहा चौक और अग्रसेन चौक के सौंदर्यीकरण की गोलाई को तय मानक के अनुसार विकसित करने तथा वहाँ संपूर्ण विद्युतीकरण कार्य कराने के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही, मिनीमाता चौक से ठगड़ा बांध जेल तिराहा मार्ग को रोशनी से सराबोर करने के लिए लोक निर्माण विभाग (विद्युत यांत्रिकी) को जिम्मेदारी सौंपी गई। सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने होटल मान के सामने स्थित चौक के चौड़ीकरण हेतु नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कदम उठाने को कहा, साथ ही होटल मान चौक से हरनाबांधा मुक्तिधाम मार्ग में नई स्ट्रीट लाइट लगवाने के लिए नगर निगम दुर्ग एवं लोक निर्माण विभाग (विद्युत यांत्रिकी) को संयुक्त रूप से निर्देशित किया।

इस दौरान अधिकारियों से चर्चा करते हुए केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि शहर के ट्रैफिक प्रबंधन को प्रभावी बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा आने वाले समय में शहर की आबादी और वाहनों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए व्यापक और ठोस कार्यबद्ध योजना तैयार की जाए। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में इन चिन्हित क्षेत्रों में आवश्यक अधोसंरचनात्मक और यातायात सुधार संबंधी बुनियादी कार्य किए जाएंगे, जिससे नागरिकों को लंबे समय से हो रही जाम की समस्या से पूरी तरह मुक्ति मिल सकेगी। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता आशीष भट्टाचार्य, एस.डी.ओ. एस. साहू तथा उप अभियंता राकेश वर्मा सहित जिला प्रशासन, पुलिस और लोक निर्माण विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी एवं कमर्चारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100